संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 322
पृष्ठ 8
मंगलवार
11 अगस्त 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दूसरों की मदद के लिए हमेशा...   विचार- परीक्षा लीक से नहीं, पुरानी...   खेल- 2023 में ही टीम इंडिया के मुख्य...

तिरंगा यात्राः मुख्यमंत्री योगी बोले-

तिरंगा आन-बान और शान का प्रतीक

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि क्रांतिकारियों को डकैत पढ़ाना अपमान है। आजादी के बाद से 2022 तक काकोरी में ट्रेन की घटना को डकैती पढ़ाया जाता रहा। प्रधानमंत्री ने उन्हें सम्मान दिलाया। उन्होंने यह बात तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के मंच से कहीं। मुख्यमंत्री की अगुवाई में सोमवार को 11 बजे तिरंगा यात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री हाथ में तिरंगा लेकर करीब 3 किलोमीटर पैदल चले। बड़ी संख्या में शहरवासी, महिलाएं और स्कूली बच्चे यात्रा में शामिल हुए। पूरे रास्ते तिरंगे लहराते रहे और 'जय श्रीराम' के नारे गूंजते रहे। यात्रा के समापन पर मुख्यमंत्री ने गुब्बारे उड़ाकर एकता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। यात्रा से पहले मुख्यमंत्री ने नगर निगम परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद हाथ में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए। यात्रा टाउनहॉल, गोलघर चौराहा, गणेश चौराहा, कालीमंदिर और यातायात चौराहा होते हुए महाराणा प्रताप चौक पहुंची।

यहां महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पार्चन के साथ यात्रा का समापन हुआ। यात्रा से पहले संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र के क्रांतिकारी युवाओं के आदर्श हैं। उनके योगदान को याद रखना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'तिरंगा आजादी का मंत्र है।' बलिदान देने वाले वीरों का सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य है। सीएम योगी ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी के बाद से 2022 तक क्रांतिकारियों को डकैत पढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने काकोरी कांड को डकैती कहा था। आजादी के बाद भी लंबे समय तक इसे काकोरी ट्रेन डकैती के रूप में पढ़ाया जाता रहा। मुख्यमंत्री ने इसे क्रांतिकारियों का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने तिरंगा यात्रा के जरिए युवाओं को देश के गौरव और क्रांतिकारियों के बलिदान से जोड़ने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने लोगों से तिरंगा घर ले जाने और उसके साथ सेल्फी लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि तिरंगा सिर्फ एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आजादी, संघर्ष और बलिदान की पहचान है। यात्रा में स्कूली बच्चों और महिलाओं में खासा उत्साह रहा। जगह-जगह लोग हाथों में तिरंगा लेकर मुख्यमंत्री के साथ चलते नजर आए। यात्रा के समापन पर गुब्बारे उड़ाकर राष्ट्र की एकता और अखंडता का संदेश दिया गया।

स्वस्थ शरीर, उत्तम आचरण और श्रेष्ठ गुणों के साथ जीवन को लोकहित में समर्पित करें : मोदी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सोमवार को सुभाषित साझा किया। इसमें उन्होंने सत्य, शुभ और ज्ञानवर्धक वचन सुनने, कल्याणकारी विचारों को अपनाने और जीवन को लोकहित में समर्पित करने का संदेश दिया। पीएम मोदी ने लोगों से सत्य, प्रामाणिक और जनहितकारी सूचनाओं का प्रसार कर राष्ट्र और समाज को जागरूक, सशक्त और समरस बनाने का भी आह्वान किया।

प्रधानमंत्री की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया, श्हम सत्य, शुभ और ज्ञानवर्धक वचन सुनें, कल्याणकारी विचारों को अपनाएं। स्वस्थ शरीर, उत्तम आचरण और श्रेष्ठ गुणों के साथ जीवन को लोकहित में समर्पित करें तथा सत्य, प्रामाणिक और जनहितकारी सूचनाओं का प्रसार कर राष्ट्र और समाज को जागरूक, सशक्त तथा समरस बनाएं।

पीएम मोदी ने कौन सा संस्कृत श्लोक साझा किया?

भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम देवा भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः

स्थिरैरङ्गैस्तुष्टुवांसस्तनूभिर्व्यशेम देवहितं यदायुः

इससे पहले प्रधानमंत्री की ओर से 7 अगस्त को भी सुभाषित साझा किया गया था।

तब पीएम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा था, किं चन्द्रमाः प्रत्युपकारलिप्सया करोति गोभिः कुमुदावबोधनम्। स्वभाव एवोन्नतचेतसां सतां परोपकारव्यसनं हि जीवितम्

इस श्लोक का हिंदी अर्थ है, ष्चंद्रमा किसी प्रत्युपकार की इच्छा से अपनी किरणों द्वारा कुमुदिनी को प्रकाशित नहीं करता, अपितु यह उसका स्वाभाविक गुण है। उसी प्रकार महान और उदार हृदय वाले सज्जन बिना किसी स्वार्थ या अपेक्षा के दूसरों का हित करते रहते हैं।

नाम परिवर्तन की दिशा में बड़ा कदम, विधेयक पेश होने पर बोले चंद्रशेखर

तिरुवंनतपुरम,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा में केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 पेश किए जाने से यह दक्षिणी राज्य एक ऐतिहासिक पड़ाव के और करीब पहुंच गया है। राज्य विधानसभा में नेमोम सीट के प्रतिनिधि चंद्रशेखर ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देश के विकास के दृष्टिकोण का एक और उदाहरण है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जब गृहमंत्री अमित शाह जी आज लोकसभा में केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 पेश कर रहे हैं, तब हम एक ऐतिहासिक उपलब्धि के और करीब पहुंच रहे हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद, जब मैं केरलम की साहित्यिक और सांस्कृतिक हस्तियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने गया, तो वह हर मलयाली की ओर से गहरा आभार व्यक्त करने का क्षण था। भाजपा नेता ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा, आज का ऐतिहासिक कदम, राजनीति से पूरी तरह ऊपर उठकर, हमारे देश के समग्र विकास, हमारी सांस्कृतिक जड़ों के सम्मान और विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच का एक और उदाहरण है।

डिजिटल रिकॉर्ड को अदालत में मिलेगी मान्यता : वित्त मंत्री सीतारमण

नयी दिल्ली,एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि बैंकों के बही साक्ष्य संबंधी प्रस्तावित कानून के लागू होने के बाद बैंकों के लेनदेन संबंधी डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड की प्रमाणित प्रति अदालत में मान्य हो सकेगी। उच्च सदन में बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026 पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में कारोबार की सुविधा के लिए कई औपनिवेशिक कानूनों को हटाया गया और कई में बदलाव किया गया है। उन्होंने कहा कि आज बैंकिंग सेवाओं का बड़े स्तर पर डिजिटीलकरण हो गया है और बैंकिंग क्षेत्र की इस जरूरत को देखते हुए मूल कानून में बदलाव किया गया है। उन्होंने कहा कि मूल कानून में कागज आधारित प्रति पर बहुत जोर दिया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि पहले बैंकों को उनके लेनदेन को लेकर कागजी रिकार्ड लेकर अदालत में बुलाया जाता था और मूल कानून में डिजिटल रिकार्ड का उल्लेख नहीं था। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से बैंक डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड की प्रमाणिक प्रति को अदालत में साक्ष्य के रूप में पेश किया जा सकेगा और उसे मान्यता मिलेगी। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि अदालत में बैंक लेनदेन से संबंधित रिकार्ड पेश करते समय गोपनीयता को पूरी तरह से बरकरार रखा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक-डिजिटल स्वरूप या भौतिक स्वरूप, किसी भी तरह से रिकार्ड को पेश किए जाने का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित कानून में बैंककार बही की परिभाषा का दायरा बढ़ाकर डिजिटल, क्लाउड-आधारित और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को भी शामिल किया गया है। विधेयक में अदालतों के समक्ष डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग रिकॉर्ड को साक्ष्य के रूप में पेश करने तथा उनके प्रमाणन के लिए स्पष्ट और एकसमान नियम निर्धारित करने का प्रावधान किया गया है।

अमित शाह छात्र प्रदर्शन पर संसद में देंगे जवाब, सरकार का विपक्ष को संदेश

डरना नहीं है, भागना नहीं है!

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सरकार छात्रों के मुद्दे पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है और गृह मंत्री अमित शाह विस्तार से जवाब देने को तैयार हैं, लेकिन विपक्ष को उनका पूरा जवाब सुनना पड़ेगा। अयोध्या के राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी पर चर्चा और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई पर गृह मंत्री शाह के जवाब की मांग को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) समेत विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद जब अपराह्न दो बजे शुरू हुई तो रीजीजू ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पहले दिन से यह मांग कर रहे थे कि गृह मंत्री अमित शाह को (छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर) जवाब देना चाहिए। रीजीजू ने कहा, मैं सरकार की ओर से स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि सरकार छात्रों के मामले को लेकर चर्चा के लिए तैयार है और पूरा जवाब देने के लिए तैयार है। गृह मंत्री अमित शाह विस्तार से जवाब देने को तैयार हैं। उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए यह भी कहा, कांग्रेस और विपक्ष से अनुरोध है कि उन्हें गृह मंत्री के जवाब के समय डरना नहीं है, भागना नहीं है। उन्हें पूरा जवाब सुनना पड़ेगा। रीजीजू ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में भी यह बात कही गई है कि सरकार विस्तार से चर्चा और जवाब देने को तैयार है। इस दौरान विपक्ष के सदस्य सदन में नारेबाजी करते रहे। मानसून सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर अड़ा है। यह और अन्य मुद्दों को लेकर दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई है। शाह के सदन में नहीं आने के विपक्ष के आरोपों पर सरकार की ओर से पिछले दिनों कहा गया था कि गृह मंत्री अमित शाह पूरे दिन संसद में रहते हैं। पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने आसन के समीप आकर प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सांसदों से कहा कि वे गृह मंत्री शाह के जवाब की मांग कर रहे थे और अब जब संसदीय कार्य मंत्री ने आश्वासन दिया है कि गृह मंत्री सदन में चर्चा का जवाब देने को तैयार हैं तो सदन की कार्यवाही चलने देनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह संसद (मानसून) सत्र का अंतिम सप्ताह है। पिछले तीन सप्ताह पूरी तरह बेकार चले गए। इसके लिए कौन जिम्मेदार और जवाबदेह है? पाल ने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा, आप चर्चा में भाग नहीं ले रहे हैं। आप मांग कर रहे हैं कि गृह मंत्री जवाब दें। अब संसदीय कार्य मंत्री ने आश्वासन दे दिया है तो आप सदन को व्यवस्थित कीजिए। इससे पहले, संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि सरकार की ओर से विपक्ष को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वह छात्र आंदोलनों तथा उनसे संबंधित गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, मेरा विपक्ष से केवल इतना कहना है कि जब चर्चा का जवाब दिया जा रहा हो, तब उन्हें सदन में व्यवधान पैदा नहीं करना चाहिए, ताकि सदन का ध्यान न भटके और गृह मंत्री का वक्तव्य बाधित न हो। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि विपक्ष को गृह मंत्री और सरकार का जवाब सुनना चाहिए तथा इस विषय पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चर्चा के बाद, जवाब के समय विपक्ष का सदन से बाहर चले जाना स्वीकार्य नहीं होगा।

स्लोवेनिया में भारतीय दूतावास को नुकसान पहुंचाने पर भारत सख्त, कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली,एजेंसी। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि वियना कन्वेंशन के तहत राजनयिक परिसरों की सुरक्षा और उनकी पवित्रता सुनिश्चित करना अनिवार्य है। मंत्रालय ने इस मामले को नई दिल्ली और ल्युब्ल्याना, दोनों स्तरों पर स्लोवेनियाई अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाया है। एमईए ने कहा कि इस तरह की निंदनीय घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। साथ ही, मंत्रालय ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों से ऐसे समूहों की ओर से फैलाए जा रही घृणा और दुष्प्रचार का संज्ञान लेने का आग्रह किया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब भारत और स्लोवेनिया अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। पिछले महीने, राजदूत अमित नारंग ने स्लोवेनिया के विदेश एवं यूरोपीय मामलों के मंत्री टोने काजर से मुलाकात की थी। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की थी। इसकी जानकारी देते हुए भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा, राजदूत अमित नारंग ने मंत्री टोने काजर से मुलाकात की। राजदूत ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का खत उन्हें सौंपा। इसमें आगे कहा गया कि बातचीत काफी सफल रही और विभिन्न मुद्दों पर बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में बात हुई। 24 जून को सचिव (पश्चिम) एंबेसडर सिबी जॉर्ज ने स्लोवेनिया गणराज्य के राष्ट्रीय दिवस समारोह में हिस्सा लिया था। इसकी जानकारी एक्स के जरिए एमईए ने दी। बताया कि स्लोवेनिया ने सीमा पार आतंकवाद से लेकर हर क्षेत्र में भारत के साथ खड़े रहने का वादा दोहराया। भारत और स्लोवेनिया के बीच राजनयिक संबंध 1992 में स्थापित हुए थे और भारत का दूतावास ल्युब्ल्याना में 2007 से कार्यरत है।

शहर समता महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण एवं प्रयागराज इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार मंच प्रयागराज की महिला काव्य गोष्ठी वरिष्ठ साहित्यकार डॉ कल्पना वर्मा की अध्यक्षता में शहर समता विचार मंच के कार्यालय कर्नलगंज में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर शहर समता महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण भी किया गया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि मुक्तक सम्राट पाल प्रयागी रहे। यह काव्य गोष्ठी साय चार बजे से सात बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही डॉ कल्पना वर्मा एवं मुख्य अतिथि मुक्तक सम्राट पाल प्रयागी द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया।

सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति रचना सक्सेना द्वारा की गयी।

आयोजन के प्रथम सत्र में महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण हुआ। संपादकीय वाचन उमेश श्रीवास्तव ने किया। दूसरे सत्र में काव्यगोष्ठी हुई जिसका कुशल संचालन शहर समता अखबार के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ कल्पना वर्मा,आशीष कुमार सैनी, रचना सक्सेना, शाहीन खुशबू, शरत चन्द्र श्रीवास्तव,पाल प्रयागी, मंजूलता नागेश, मंजू प्रकाश, डॉ शशि जायसवाल, मोहिनी, ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें जिसमें पढ़ा। धन्यवाद ज्ञापन रचना सक्सेना ने किया।

अमित शाह पर राहुल हमलावर

20 दिन हो गए, संसद नहीं आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने NEET-UG पेपर लीक के खिलाफ 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने अमित शाह की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए या तो पुलिस कार्रवाई की मंजूरी देने या फिर घटना की जानकारी न होने की स्थिति में उन्हें श्अक्षमश बताया और गृह मंत्री के पद से इस्तीफे की मांग की। इसके साथ ही राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग भी दोहराई है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, श्छात्रों पर पैलेट गन, कील लगी लाठियां और आंसू गैस के गोले दागे गए, जबकि वे शांतिपूर्वक अपने भविष्य को लेकर सवाल पूछ रहे थे। महिला प्रदर्शनकारियों को पुलिसकर्मियों ने पीटा। कई महिलाओं के निजी अंगों पर चोटें आईं। नाबालिगों की हड्डियां टूट गईं। मोदी सरकार सवालों का जवाब इसी तरह देती है। उन्होंने आगे कहा, श्लगभग 20 दिन बीत चुके हैं और अमित शाह इस मामले पर जवाब देने के लिए संसद नहीं आए हैं। चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष की ओर से दिए गए हर प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया है। उनकी चुप्पी कोई चूक नहीं है, बल्कि यह हिंसा को मंजूरी देने जैसा है।

गैर राजनीतिक था कार्यक्रम, पर चुनाव की नींव रख गए राहुल

प्रयागराज। केपी इंटर कॉलेज मैदान पर शनिवार को आयोजित राहुल गांधी का कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' कहने को गैर राजनीतिक था लेकिन राहुल इस बहाने यूपी में चुनाव की नींव रख गए और पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को भी सिखा गए कि जेन–जी को कैसे साधना है। केपी इंटर कॉलेज मैदान पर शनिवार को आयोजित राहुल गांधी का कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' कहने को गैर राजनीतिक था लेकिन राहुल इस बहाने यूपी में चुनाव की नींव रख गए और पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को भी सिखा गए कि जेन–जी को कैसे साधना है। राहुल गांधी के प्रयागराज आने से पहले कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। पार्टी नेताओं से भी सूचनाएं सामने आ रहीं थीं कि राहुल गांधी स्वराज भवन में

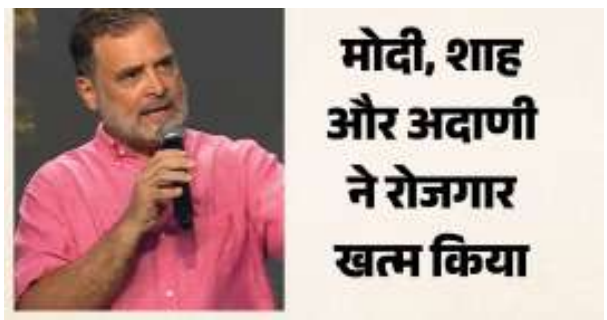

पार्टी के बड़े नेताओं के साथ बैठक कर यूपी में चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। साथ ही वह प्रदेश के कुछ शहर व जिलाध्यक्षों से भी मिल सकते हैं लेकिन प्रयागराज पहुंचने के बाद राहुल गांधी ने राजनीतिक गतिविधियों से दूरी बनाए रखी।

राहुल गांधी के प्रयागराज पहुंचते ही कार्यकर्ताओं व पार्टी पदाधिकारियों तक संदेश पहुंचा दिया गया था कि कि वह स्वराज भवन में किसी से नहीं मिलेंगे। शाम को स्वराज भवन से निकलकर सीधे कार्यक्रम स्थल केपी इंटर कॉलेज मैदान पर पहुंचे और मंच पर 50 मिनट की मौजूदगी के बाद वापस दिल्ली जाने के लिए सीधे एयरपोर्ट के लिए निकल गए।

हालांकि, 50 मिनट के कार्यक्रम में राहुल गांधी ने प्रयागराज समेत पूर्वांचल और बिहार के युवाओं को साधने की पूरी कोशिश की। मंच पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय, पूर्वांचल और बिहार के छात्रों से उन्होंने सीधा संवाद किया। राहुल गांधी को पता था कि केपी कॉलेज मैदान पर जुटी युवाओं की भीड़ में ज्यादातर प्रतियोगी छात्र हैं। यही वजह रही कि उनका पूरा कार्यक्रम नीट पेपर लीक से ज्यादा भर्तियों में देरी पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम के दौरान नीट पेपर लीक से ज्यादा आरओ/एआरओ और पुलिस भर्ती पेपर लीक पर बात हुई। शिक्षक भर्ती में देरी और इसकी वजह से बेरोजगारी का दंश झेल रहे युवाओं के दर्द पर बात की गई। पेपर लीक, भर्ती और बेरोजगारी के बहाने राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री व गृहमंत्री पर भी निशाना साधा।

'छात्रों की गूंज' की सफलता पर कांग्रेसियों ने जताया आभार

केपी कॉलेज मैदान पर आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में उमड़ी छात्रों और युवाओं की भीड़ ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर दिया है। कार्यक्रम की सफलता और बड़ी संख्या में छात्रों की भागीदारी के लिए कांग्रेसियों ने छात्र–छात्राओं के प्रति आभार जताया। रविवार को कार्यक्रम की सफलता को लेकर चौक स्थित शहर कांग्रेस कार्यालय में शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी की अध्यक्षता में बैठक की गई जिसमें कार्यक्रम की तैयारियों, आयोजन की सफलता पर उसमें शामिल हुए छात्रों व युवाओं की भागीदारी पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी, पार्टी प्रवक्ता हसीब अहमद, हरिकेश त्रिपाठी, दीपचंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की सफलता के बाद कहा कि वैसे तो गंगा–यमुना का संगम प्रयागराज है लेकिन आठ अगस्त को युवा शक्ति और राहुल गांधी के विचारों का जो संगम था, वह अभूतपूर्व था। कहा कि राहुल गांधी अपने आप को युवाओं के साथ बहुत सहज पा रहे थे और युवाओं को लगा कि उनकी धड़कन युवाओं के रूप में बात कर रही है। कहा कि छात्रों की गूंज कार्यक्रम आने वाले समय में नए भारत की कहानी लिखेगा।

प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर गिरा वेटिंग हॉल का शीशा

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर एक स्थित वेटिंग हॉल का शीशा रविवार रात अचानक टूटकर नीचे गिर गया। राहत की बात यह रही कि घटना के समय मौके पर यात्रियों की मौजूदगी नहीं थी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और कोई हताहत नहीं हुआ। प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर एक स्थित वेटिंग हॉल का शीशा रविवार रात अचानक टूटकर नीचे गिर गया। राहत की बात यह रही कि घटना के समय मौके पर यात्रियों की मौजूदगी नहीं थी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और कोई हताहत नहीं हुआ।

घटना के समय वेटिंग हॉल के ऊपरी हिस्से में लगे एयर कंडीशनर के पास लगा शीशा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और रेलवे के प्राविधिक कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और क्षेत्र को सुरक्षित करते हुए स्थिति का जायजा लिया। घटना के बाद रेलवे परिसर में यात्रियों की सुरक्षा और रखरखाव के दावों पर सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल रेल प्रशासन मामले की जांच में जुटा है।

चित्रकूट और प्रतापगढ़ सीधे जुड़े, दो ट्रेनों के विलय को रेलवे बोर्ड की मंजूरी

प्रयागराज। बुंदेलखंड और अवध के यात्रियों, तीर्थ यात्रियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए राहत भरी खबर। रेलवे बोर्ड ने कानपुर–चित्रकूट और कानपुर–प्रतापगढ़ एक्सप्रेस ट्रेनों के विलय को हरी झंडी दे दी है। बुंदेलखंड और अवध के यात्रियों, तीर्थ यात्रियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए राहत भरी खबर। रेलवे बोर्ड ने कानपुर–चित्रकूट और कानपुर–प्रतापगढ़ एक्सप्रेस ट्रेनों के विलय को हरी झंडी दे दी है। अब दोनों ट्रेनों को मिलाकर 14123/14124 मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़–चित्रकूटधाम कर्वी एक्सप्रेस के रूप में चलाया जाएगा। इससे यात्रियों को कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेन बदलने के झंझट से मुक्ति मिल जाएगी।

यह ट्रेन चित्रकूटधाम कर्वी से चलकर बांदा, घाटमपुर, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, लखनऊ और रायबरेली होते हुए सीधे प्रतापगढ़ पहुंचेगी। पहले इन ट्रेनों में महज 12 कोच हुआ करते थे लेकिन विलय के बाद अब यह 24 कोच के साथ पटरी पर दौड़ेगी। कोचों की संख्या दोगुनी होने से जनरल और स्लीपर श्रेणी की सीटों में भी खासी वृद्धि होगी, जिससे यात्रियों को लंबी प्रतीक्षा और भीड़–भाड़ से बड़ी राहत मिलेगी। ट्रेन के विस्तार की तिथि का एलान जल्द ही होने की उम्मीद है।

सावन के दूसरे सोमवार पर उमड़ी भीड़, शिव की पूजा के लिए सोम प्रदोष का दुर्लभ संयोग

प्रयागराज। सावन के दूसरे सोमवार पर संगमनगरी हर–हर महादेव के जयघोष से गूंज रही है। सोमवार के साथ कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी पड़ने से आज सोम प्रदोष का विशेष संयोग बन रहा है। इस पावन अवसर पर शहर के प्रमुख शिवालयों में ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालुओं की कतार लग रही है। भक्त गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और पुष्प अर्पित कर भगवान शिव का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक कर रहे हैं। शाम को प्रदोष काल में विशेष पूजन और आरती के लिए मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है।

सावन के दूसरे सोमवार पर सोमवार और त्रयोदशी तिथि का विशेष संयोग बन रहा है। सोमवार को पड़ने वाले प्रदोष व्रत को सोम प्रदोष कहा जाता है। इस वर्ष 10 अगस्त को सावन सोमवार के साथ सोम प्रदोष पड़ने से शिवभक्तों में विशेष उत्साह है। पंचांग के अनुसार त्रयोदशी तिथि सोमवार सुबह से शुरू होकर मंगलवार तड़के तक रहती है और प्रदोष काल शाम के समय पड़ता है। पंचांग के अनुसार सोम प्रदोष का प्रदोष काल शाम करीब 6रू59 से रात 9रू09 बजे तक है।

ब्रह्म मुहूर्त से शुरू हुआ जलाभिषेक

सावन सोमवार को लेकर शहर के प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। भक्त गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, आक, पुष्प और अक्षत आदि अर्पित कर भगवान शिव का पूजन कर रहे हैं। कई मंदिरों में जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और रुद्राभिषेक के साथ विशेष धार्मिक अनुष्ठान भी हो रहे हैं। शिवालयों में हर–हर महादेव और बोल बम के जयकारे गूंज रहे हैं। श्रद्धालु भगवान शिव से सुख, शांति, समृद्धि और परिवार की मंगलकामना कर रहे हैं। सावन में सोमवार का दिन भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है, इसलिए सुबह से लेकर देर शाम तक मंदिरों में भक्तों की भीड़ बनी रहने की संभावना है।

मनकामेश्वर मंदिर में विशेष पूजन

श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में सावन सोमवार और सोम प्रदोष के संयोग को देखते हुए विशेष धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। महंत श्रीधरानंद सरस्वती की देखरेख में भगवान शिव का रुद्राभिषेक, पूजन–अर्चन और विशेष श्रृंगार किया जा रहा है। रात में भगवान शिव का विशेष श्रृंगार और आरती भी होती है। सुबह से ही श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर शिवलिंग पर गंगाजल और दूध अर्पित कर रहे हैं। भक्त बेलपत्र, धतूरा और पुष्प चढ़ाकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद ले रहे हैं।

नागवासुकी और तक्षक तीर्थ में भी उमड़ रही आस्था

दारागंज स्थित नागवासुकी मंदिर और तक्षक तीर्थ बड़ा शिवाला में भी विशेष पूजन–अभिषेक हो रहा है। संगम क्षेत्र से जुड़े इन धार्मिक स्थलों पर सावन में श्रद्धालुओं की विशेष आस्था रहती है। भक्त भगवान शिव और नाग देवता का पूजन कर परिवार की सुख–शांति की कामना कर रहे हैं। मीरपुर स्थित ललितेश्वर महादेव मंदिर में मुख्य पुजारी शिवमूरत मिश्रा के द्वारा भगवान शिव का विशेष श्रृंगार किया जा रहा है। मंदिर में दिनभर दर्शन–पूजन के लिए भक्तों का आना–जाना जारी है।

कोटेश्वर और पंडिला महादेव में भी भक्तों की कतार

कोटेश्वर महादेव और पंडिला महादेव मंदिर में भी सावन सोमवार पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भक्त कतार में लगकर भगवान शिव का दर्शन कर रहे हैं और जलाभिषेक कर रहे हैं। सिविल लाइंस स्थित हनुमान निकेतन के शिव मंदिर में भी सुबह से भक्तों की कतार लग रही है। शाम को प्रदोष काल में शिव पूजन और आरती का विशेष महत्व होने के कारण मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ रही है।

क्या है सोम प्रदोष का धार्मिक महात्म्य?

हिंदू धार्मिक परंपरा में प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित माना जाता है। प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत रखा जाता है। जब त्रयोदशी सोमवार को पड़ती है तो इसे सोम प्रदोष कहा जाता है। सोमवार स्वयं भगवान शिव को समर्पित माना जाता है, इसलिए सोमवार और प्रदोष के संयोग को शिव आराधना के लिए विशेष माना जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार प्रदोष काल में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा–अर्चना करने से भक्त को आध्यात्मिक शांति और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। इस दौरान शिवलिंग पर जल, गंगाजल और बेलपत्र अर्पित कर श्द्ध नमरू शिवायश का जाप करने की परंपरा है।

सावन में शिव पूजा का बढ़ जाता है महत्व

सावन का पूरा महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान निकले विष को भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण किया था। इसी कारण सावन में जलाभिषेक और शिव आराधना की परंपरा विशेष रूप से प्रचलित है। भक्त भगवान शिव को जल अर्पित कर उनकी कृपा की कामना करते हैं।

सोमवार को शिवलिंग पर जलाभिषेक, बेलपत्र और पुष्प अर्पित करना शिवभक्तों की प्रमुख पूजा परंपराओं में शामिल है। सावन सोमवार और सोम प्रदोष का एक साथ आना श्रद्धालुओं के लिए इस दिन को और विशेष बना रहा है।

प्रदोष काल में विशेष पूजा

आज शाम प्रदोष काल में शिवालयों में विशेष पूजा–अर्चना और आरती होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार प्रदोष काल भगवान शिव की आराधना के लिए महत्वपूर्ण समय माना जाता है। श्रद्धालु इस दौरान शिव–पार्वती का पूजन, दीपदान और मंत्र जाप करते हैं।

मंदिरों में शाम की आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद है। संगमनगरी के शिवालयों में सुबह से शुरू हुई भक्ति की धारा देर रात तक जारी रहती है और पूरा शहर हर–हर महादेव के जयघोष से भक्तिमय नजर आता है।

रक्षाबंधन 2026: रक्षा बंधन से पहले ट्रेनों में लंबी वेटिंग, दिल्ली–मुंबई रूट फुल, तत्काल टिकट का ही सहारा

प्रयागराज। रक्षाबंधन से पहले प्रयागराज आने वाली ट्रेनों में सीटों का संकट गहरा गया है। दिल्ली, मुंबई, लुधियाना, गुरुग्राम समेत बड़े शहरों से आने वाली प्रमुख ट्रेनों में 26 और 27 अगस्त को लंबी वेटिंग है। नई दिल्ली–प्रयागराज वंदे भारत, प्रयागराज एक्सप्रेस, शिवगंगा एक्सप्रेस और हमसफर जैसी ट्रेनों में कंफर्म बर्थ मिलना मुश्किल हो गया है। ऐसे में यात्रियों के सामने तत्काल टिकट का ही विकल्प बचा है।

रक्षा बंधन पर्व से पहले मुंबई, दिल्ली समेत अन्य कई शहरों से आने वालीं सभी प्रमुख ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची है। इससे घर से दूर पढ़ाई या नौकरी कर रहे भाई–बहनों को त्योहार पर घर पहुंचने में परेशानी हो सकती है। कीडगंज की पल्लवी को अपने भाई मयंक का इंतजार है लेकिन लुधियाना से आने वाली किसी भी ट्रेन में पर्व के पहले कंफर्म बर्थ नहीं है। यही हाल गुरुग्राम में नौकरी करने वाले अमित श्रीवास्तव का है। उन्हें भी पर्व पर प्रयागराज आना है। रक्षा बंधन से ठीक पहले, यानी 26 और 27 अगस्त की तारीखों में हालात सबसे ज्यादा मुश्किल नजर आ रहे हैं।

नई दिल्ली से प्रयागराज आने वाली दोनों वंदे भारत एक्सप्रेस की चेयर कार में प्रतीक्षा सूची का आंकड़ा 100 को पार कर चुका है। वीआईपी ट्रेन कही जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस और शिवगंगा एक्सप्रेस का भी यही हाल है। शिवगंगा के एसी इकोनॉमी में जहां नो रूम की स्थिति है, वहीं स्लीपर और एसी श्रेणियों में लंबी वेटिंग चल रही है।

इसी तरह नई दिल्ली–प्रयागराज हमसफर एक्सप्रेस, आनंद विहार–रीवा एक्सप्रेस और पुरुषोत्तम एक्सप्रेस जैसी प्रमुख गाड़ियों में भी कंफर्म बर्थ मिलना लगभग नामुमकिन हो गया है। दिल्ली रूट की अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनें जैसे मगध एक्सप्रेस, नेताजी एक्सप्रेस, ऊंचाहार और कालिंदी एक्सप्रेस में भी प्रतीक्षा सूची है।

मुंबई रूट से भी आने वाली ट्रेनें फुल

सिर्फ दिल्ली ही नहीं बल्कि मुंबई रूट से सफर करने वाले यात्रियों की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। छत्रपति शिवाजी–आसनसोल, लोकमान्य तिलक–डिब्रूगढ़, कोलकाता मेल, गोदान एक्सप्रेस, साकेत एक्सप्रेस, पवन एक्सप्रेस, महानगरी और कामायनी जैसी तमाम ट्रेनें पूरी तरह भर चुकी हैं। लोगों के सामने अब केवल तत्काल कोटे का ही सहारा बचा है। एनसीआर के सीनियर पीआरओ डॉ. अमित मालवीय का कहना है कि कुछ स्पेशल ट्रेनों में जगह है यात्री उसका लाभ उठा सकते हैं।

मालगाड़ियों में लगेंगे एनसीआर में तैयार किए गए ब्रेक वैन, ट्रेन मैनेजरों का सफर होगा आरामदायक

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के झांसी वैगन मरम्मत कारखाने ने ट्रेन मैनेजरों (गार्ड) की कार्य स्थितियों में क्रांतिकारी सुधार की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के झांसी वैगन मरम्मत कारखाने ने ट्रेन मैनेजरों (गार्ड) की कार्य स्थितियों में क्रांतिकारी सुधार की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कारखाने द्वारा विकसित मॉडिफाइड ब्रेक वैन (बीवीजेडआई एवं बीवीसीएम) के पहले सफल प्रोटोटाइप की सफलता के बाद अब रेलवे बोर्ड ने राष्ट्रव्यापी अपग्रेडेशन का निर्देश जारी किया है। इसी क्रम में एनसीआर की झांसी वर्कशॉप को कुल 400 मॉडिफाइड ब्रेक वैन तैयार करने का बड़ा आर्डर मिला है। एनसीआर प्रशासन इसे एक बड़ी उपलब्धि मान रहा है। खास बात यह है एनसीआर अब तक 42 ब्रेक वैन सफलतापूर्व तैयार भी कर चुकी है। अलग–अलग जोनल रेलवे को यह जल्द ही यह आवंटित हो जाएंगे। मात्र पांच लाख रुपये की लागत से प्रत्येक ब्रेक वैन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। एनसीआर के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह के निर्देशन और नेतृत्व में तैयार संशोधित ब्रेक वैन में ट्रेन मैनेजरों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। इनमें 360–डिग्री घूमने वाली आरामदायक गार्ड चेयर और विशेष फुट रेस्ट लगाए गए हैं। साथ ही, पंखे और लाइट के निर्बाध संचालन के लिए सोलर पैनल भी लगाया गया है। केबिन के भीतर फ्लीट ग्राफिक्स फिल्म, टिकाऊ पॉलियामाइड एपॉक्सी रेज़िन फ़्लोरिंग और बेहतर गुणवत्ता वाला कमोड जैसी आधुनिक सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इसके अलावा वॉकी–टॉकी स्टैंड, बोतल होल्डर, कोट हुक, ग्रैब हैंडल और यूनिवर्सल की वाले डोर लॉक जैसी अतिरिक्त व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

'इस अभिनव पहल से ट्रेन मैनेजरों का दैनिक कार्य अनुभव बेहतर होने के साथ–साथ उनकी सुरक्षा और कार्यक्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। 400 मॉडिफाइड ब्रेक वैन तैयार करने का आर्डर एनसीआर को मिला है।' – डा. शिवम शर्मा, सीपीआरओ, एनसीआर।

छात्रावास आवंटन में देरी, अगस्त के अंत तक आवेदन की संभावना

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय(इविवि) में नए शैक्षणिक सत्र में छात्रावास के लिए विद्यार्थियों को कुछ दिन और इंतजार करना होगा। विवि प्रशासन ने 18 छात्रावासों में उपलब्ध रिक्त सीटों की जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय(इविवि) में नए शैक्षणिक सत्र में छात्रावास के लिए विद्यार्थियों को कुछ दिन और इंतजार करना होगा। विवि प्रशासन ने 18 छात्रावासों में उपलब्ध रिक्त सीटों की जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सभी छात्रावासों से खाली कमरों और सीटों का ब्योरा मांगा गया है, जिसके आधार पर नए सत्र में प्रवेश के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या तय की जाएगी। विवि में परास्नातक स्तर पर अधिकांश पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। कुछ श्रेणियों में प्रवेश अभी जारी हैं। दूसरी ओर स्नातक पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन पहले सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की स्थिति स्पष्ट करेगा। इसके बाद ही छात्रावासों के लिए आवेदन लेने की तैयारी में है। संभावना है कि अगस्त के अंतिम सप्ताह में छात्रावास प्रवेश के लिए आवेदन शुरू किए जाएंगे। सितंबर में मेरिट के आधार पर सीटों का आवंटन किया जाएगा। छात्रावासों में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों की पात्रता, मेरिट और उपलब्ध सीटों को आधार बनाया जाएगा। स्नातक और परास्नातक दोनों वर्ग के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार मेरिट तैयार की जाएगी।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलटी, एक की मौत

प्रयागराज। कड़ा धाम दर्शन के लिए जा रही श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को सोमवार को कोखराज थाना क्षेत्र के करेंटी के पास बस ने साइड से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई।

कड़ा धाम दर्शन के लिए जा रही श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को सोमवार को कोखराज थाना क्षेत्र के करेंटी के पास बस ने साइड से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद वाहन में सवार श्रद्धालुओं में चीख–पुकार मच गई।

दो न्यायमूर्तियों के मुख्य न्यायाधीश बनने पर जताई खुशी, कहा- न्याय पालिका को मिलेगी नई दिशा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट से न्यायमूर्तियों के मुख्य न्यायाधीश बनने पर अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल है। उन्होंने इसे गौरव का पल बताया और शुभकामनाएं दीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट से न्यायमूर्तियों के मुख्य न्यायाधीश बनने पर अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल है। उन्होंने इसे गौरव का पल बताया और शुभकामनाएं दीं। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश पांडेय 'बबुआ' ने कहा कि न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी के मुख्य न्यायाधीश बनने जा रहे हैं, यह गौरव का क्षण है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की न्यायिक परंपरा और यहां की प्रतिभा का देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों में लगातार सम्मान हुआ है।

इनमें छत्तीसगढ़ में न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, गुजरात में न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल, दिल्ली में न्यायमूर्ति डीके उपाध्याय और उत्तराखंड में न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता का नाम प्रमुख है। उन्होंने कहा कि दो न्यायमूर्ति सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश भी बने हैं। इनमें न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल हैं। वहीं, इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आरके ओझा ने कहा कि दोनों न्यायमूर्तियों ने यहीं से वकालत शुरू की और इसी हाईकोर्ट में न्यायाधीश बने। कहा कि उनके नेतृत्व में न्यायपालिका को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

अदालत में न्यायमूर्तियों का सफर

न्यायमूर्ति एमसी त्रिपाठी

न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी ने वर्ष 1990 में लखनऊ विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने 11 जनवरी 1992 को अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण कराया। उनका प्रमुख कार्यक्षेत्र दीवानी मामलों से जुड़ा रहा। अक्तूबर 2007 से वह उत्तर प्रदेश राज्य के अतिरिक्त मुख्य स्थायी अधिवक्ता के रूप में भी कार्यरत रहे।

न्यायमूर्ति त्रिपाठी को 27 सितंबर 2013 को इलाहाबाद हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। इसके बाद 10 अप्रैल 2015 को स्थायी न्यायाधीश बने। 20 जून 2028 को वह सेवानिवृत्त होंगे। वर्तमान में वह इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और प्रयागराज स्थित प्रधान पीठ की अध्यक्षता भी कर चुके हैं।

न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार

न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा का इलाहाबाद हाईकोर्ट से 20 जुलाई 2025 को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय स्थानांतरण किया गया था। वर्तमान में वहीं कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश हैं। उन्होंने किरोड़ीमल कॉलेज से अर्थशास्त्र में बीए (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की और दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की।

उन्होंने आठ मई 1993 को अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण कराया। मुख्य रूप से दीवानी, सांविधानिक और सेवा संबंधी मामलों में पैरवी की। कई अहम मामलों में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। तीन फरवरी 2014 को उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया। एक फरवरी 2016 को उन्हें स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति मिली।

कुएं में महिला ने लगाई छलांग, मौत

प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र थाना के पुरवा खास गांव में रविवार सुबह घर के बाहर सूखे कुएं में महिला ने छलांग लगा ली। सूचना पर पुलिस व फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद फायर कर्मियों ने महिला को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी है।

गांव निवासी अजय भारतीया मुंबई में रहकर काम करते हैं। घर में उनकी पत्नी रबिता (32) दो बच्चों के साथ रहती थीं।

ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इंटर कॉलेज में मातृ भारती गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इंटर कॉलेज, सुभाष नगर, प्रयागराज में आज मातृ भारती गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ।इस अवसर पर विद्यालय की अध्यक्ष श्रीमती उषा मिश्रा, उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा अग्रवाल, प्रबंध समिति की सदस्य श्रीमती

संगीता अग्रवाल तथा मातृ भारती प्रमुख श्रीमती संतोष सेठ की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती जय श्री श्रीवास्तव रहीं। मुख्य अतिथि डॉ पूर्णिमा पाण्डेय जी ने मातृशक्ति की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए समाज एवं राष्ट्र निर्माण में माताओं के योगदान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम का संचालन मातृ भारती प्रमुख श्रीमती संतोष सेठ द्वारा किया गया।

समारोह में मातृ भारती की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें श्रीमती अल्पना राय को अध्यक्ष, श्रीमती आरती यादव को उपाध्यक्ष, श्रीमती नीतू चंद्रा को मंत्री, श्रीमती नेहा गुप्ता को सह मंत्री, श्रीमती विभा यादव को कोषाध्यक्ष तथा श्रीमती पायल सिंह को प्रचार–प्रसार प्रमुख का दायित्व सौंपा गया इसके उपरांत विद्यालय की अध्यक्ष श्रीमती उषा मिश्रा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को राष्ट्र, समाज, विद्यालय तथा भारतीय संस्कृति के प्रति समर्पण एवं सेवा भाव से कार्य करने की शपथ दिलाई। सभी पदाधिकारियों एवं उपस्थित माताओं ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास तथा संस्कारयुक्त समाज निर्माण में सक्रिय सहयोग का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की आचार्या श्रीमती सरिता सिंह ने सभी अतिथियों, मातृशक्ति एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह ष्भारत माता की जयष तथा ष्वन्दे मातरम्ष के उद्घोष के साथ संपन्न हुआ।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या: 230-वि0/कर्षवि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/652 दिनांक: 07.08.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता / कर्षवि0 / उत्तर मध्य रेलवे / प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा सं.: 230-कर्षवि0-कार्य ठेका-1041-2026	अनुमानित लागत: ₹ 2,06,17,557.61

कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल में किमी 1132/5-7 पर एलसी संख्या 19 और किमी 1167/25-27 पर एलसी संख्या 33 पर आरयूबी के निर्माण के कारण 25kV OHE में संशोधन का कार्य।

बिड सुरक्षा राशि: ₹ 4,12,400.00	कार्य अवधि: 12 महीना	बोली प्रणाली: एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 31.08.2026, 14.00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 31.08.2026, 15.00 बजे

नोट:- (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1841/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या: 230-वि0/कर्षवि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/650 दिनांक: 07.08.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/कर्षवि0/उमरे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा सं0: 230-कर्षवि0-कार्य ठेका-1039-2026

कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के प्रयागराज-कानपुर खंड के बीच अपस्टाय (ASCE) और स्टेशनों (SNE) स्टेशनों पर ... के कारण 25kV OHE में संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागत: ₹ 1,06,61,599.44 | बिड सुरक्षा राशि: ₹ 2,13,200.00

कार्य अवधि: 18 महीना | बोली प्रणाली: एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 31.08.2026, 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 31.08.2026, 15:00 बजे

नोट: 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1839/26 (PH)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: CEN-2026-27-10 दिनांक: 05.08.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य (इंजी0)/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 28.08.2026 के समय 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

निविदा नं.: CEN-2026-27-10 | अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 21.25 Cr. (Approx.)

कार्य का विवरण: Dy. CE/C/PRYJ/NCR के अधिकार क्षेत्र में KID-MKP दोहरीकरण कार्य के तहत कार्य में 12 मीटर चौड़े FOB का निर्माण।

बोली प्रतिभूति (रू.): ₹ 42,49,300/- | कार्य समापन की अवधि: 12 माह

निविदा बंद करने की तिथि एवं समय: 28.08.2026 15:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि: 28.08.2026 15:30 बजे

निविदा का प्रकार: ओपेन टेन्डर (दो पैकेट प्रणाली)

नोट:- (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15.00 बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक 28.08.2026 तक उपलब्ध है। ... 1833/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

पल्स मल्टीस्पेशियलिटी एवं क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन

प्रयागराज। पल्स मल्टीस्पेशियलिटी एवं क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल के भव्य उद्घाटन समारोह का आयोजन गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय श्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' जी रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि माननीय सिद्धार्थनाथ सिंह जी, माननीय गणेश केसरवानी जी एवं माननीय श्री संजय गुप्ता जी सहित शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अस्पताल के निदेशक एवं प्रयागराज के प्रख्यात क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. मनीष कुमार केशरी एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। वहीं स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि केसरी एवं डॉ. शालिनी सिंह ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि श्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' जी ने अस्पताल के निदेशक एवं पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली तथा मरीजों से मुलाकात कर उनका कुशल–क्षेम जाना।

इस अवसर पर माननीय गणेश केसरवानी जी ने कहा कि "पल्स हॉस्पिटल का शुभारंभ केवल प्रयागराज ही नहीं, बल्कि कौशाम्बी एवं आसपास के

जनपदों के मरीजों के लिए भी एक अत्यंत सराहनीय एवं महत्वपूर्ण कदम है। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता से गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।"

अस्पताल के निदेशक डॉ. मनीष कुमार केशरी ने बताया कि पल्स मल्टीस्पेशियलिटी एवं क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल प्रयागराज के आधुनिक एवं उन्नत क्रिटिकल केयर केंद्रों में से एक है, जहां गंभीर एवं जटिल मरीजों के उपचार के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल में विभिन्न प्रकार की सर्जरी के साथ–साथ सड़क दुर्घटना, ब्रेन हेमरेज, विषाक्तता/जहरखुरानी, सर्पदंश, जटिल प्रसव एवं गर्भावस्था संबंधी गंभीर समस्याएं, सांस फूलने की गंभीर स्थिति, डायलिसिस तथा अन्य गंभीर रोगों के मरीजों का उपचार किया जाता है।

निदेशक डॉ धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य "सेवा, समर्पण और विश्वास" के साथ मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपलब्ध कराना है। गंभीर मरीजों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा एवं क्रिटिकल केयर उपलब्ध हो सके, यही अस्पताल की प्राथमिकता है।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर महानगर उपाध्यक्ष श्री अनिल केसरवानी जी, माननीय पार्षद श्री सुनील केसरवानी 'पप्पू' जी, मंडल अध्यक्ष श्री दिग्विजय सिंह जी, श्री प्रेमनारायण केसरवानी जी, श्रीमती दीपिका पटेल जी, वरुण केसरवानी जी , फादर विपिन डिसूजा जी, डॉ अशोक अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं चिकित्सकों ने अस्पताल की पूरी टीम को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों ने अस्पताल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि पल्स मल्टीस्पेशियलिटी एवं क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल प्रयागराज एवं आसपास के क्षेत्रों में गंभीर मरीजों के लिए चिकित्सा सेवा का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

शास्त्र भी, जीवन भी और जीविका भी केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में दीक्षारम्भ नवप्रवेशित विद्यार्थियों को मिला संस्कार और संकल्प का मंत्र, विद्या के साथ संस्कार और जीवन का लक्ष्य जरूरीः प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी

प्रयागराज। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं सम्बद्ध परिसरों में सोमवार को नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। विश्वविद्यालय मुख्यालय के साथ देशभर के विभिन्न परिसरों से नवप्रवेशित विद्यार्थी आभासीय माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. डी. दयानाथ के वैदिक मंगलाचरण से हुई। छात्र कल्याण अधिष्ठात्री प्रो. लीना सक्करवाल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए नवप्रवेशित विद्यार्थियों को बधाई दी तथा विश्वविद्यालय की विभिन्न छात्र कल्याण गतिविधियों, सुविधाओ एवं अवसरो की जानकारी दी। कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि माता के गर्भ से जन्म लेने पर मनुष्य को शरीर प्राप्त होता है, जबकि विद्या और संस्कार से उसका द्वितीय जन्म होता है। विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी निर्मल एवं जिज्ञासु मन से शिशुवत भाव लेकर ज्ञान की साधना करें। उन्होंने कहा कि विद्या केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रद्धा, श्रवण, मनन, अनुशीलन और निरंतर प्रयास से अर्जित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जिस प्रकार माता–पिता के प्रति श्रद्धा होती है, उसी प्रकार अपने आचार्यों और गुरुओं के प्रति भी श्रद्धा एवं सम्मान का भाव रखना चाहिए। संस्कृत माध्यम से अध्ययन करते हुए विद्यार्थी ज्ञान के साथ संस्कार भी प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणों को अपनाते हुए अवगुणों और दोषों का त्याग करना चाहिए तथा सही–गलत का विवेक करते हुए सदैव उचित मार्ग को स्वीकार करना चाहिए।

कुलपति प्रो. वरखेड़ी ने कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन का लक्ष्य पहले दिन से निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए संकल्पबद्ध होकर आगे बढ़ें। नियमित अध्ययन, पुस्तकों की तैयारी, अनुशासन और निरंतर अभ्यास विद्यार्थी जीवन की सफलता का आधार हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को केवल शास्त्रों का ज्ञान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें जीवन और जीविका के लिए भी सक्षम बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे स्वयं को एक श्रेष्ठ शिल्प की तरह तैयार करें। ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और चरित्र के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि नए विद्यार्थी अब विश्वविद्यालय के व्यापक परिवार का हिस्सा हैं और यहां उन्हें नए परिवेश, नए मित्रों तथा नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। कुलपति ने विद्यार्थियों को सफलता का सूत्र देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य "छात्र भी, शास्त्र भी, जीवन भी और जीविका भी" के समन्वय के साथ आगे बढ़ना होना चाहिए।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आर.जी. मुरलीकृष्ण, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी तथा प्रो. कुलदीप शर्मा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परम्परा, अनुशासन एवं अध्ययन के महत्व पर प्रकाश डाला।

परिसर के जनसम्पर्क अधिकारी राजेशकान्त तिवारी ने बताया कि मुख्यालय के द्वारा आयोजित मुख्य कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी डॉ. विजय दाधीच, उपनिदेशक शैक्षणिक डॉ. देवानंद शुक्ल, डॉ. योगेन्द्र दीक्षित सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ. प्रमोद कुमार बुटोलिया ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. नारायण आरएल सिम्हा ने किया। इसी क्रम में गंगानाथ झा परिसर में भी दस दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिसरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रभारी प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर डॉ. शुभश्री दास, श्री अंकित मिश्र, राजेशकान्त तिवारी सहित समस्त छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

सावन के द्वितीय सोमवार को भक्तों से गुलजार रहा भयहरण नाथ धाम

मेला मजिस्ट्रेट के मार्गदर्शन में संचालित हुआ मेला

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में सावन का द्वितीय सोमवार ष्बोल बमष के नारों के बीच शिव भक्तों से गुलजार रहा। पुलिस व कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न विभागों की चुस्त–दुरुस्त व्यवस्था रही। भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि सुबह 5 बजे से ही शिव भक्तों का आगमन शुरू हुआ।

मुख्य मंदिर सहित सभी मंदिरों के पुजारी व सेवकों ने पूजन कर कपाट जनता जनार्दन के लिए खोल दिए। मेला क्षेत्र में साफ–सफाई निरंतर होती रही और खान–पान की दुकानों को अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखने व सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। मेला मजिस्ट्रेट रामानुज पांडेय के मार्गदर्शन में प्रशासनिक कार्यालय में मुख्य मेला नियंत्रण कक्ष का संचालन जारी रहा। थानाध्यक्ष जेठवारा नरेंद्र सिंह, चौकी प्रभारी सुशील कटियार, राजस्व निरीक्षक अशोक दुबे व लेखपाल प्रशांत कुमार सहित क्षेत्रीय राजस्व कर्मियों ने व्यवस्था में सहयोग किया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से चिकित्सा शिविर लगाया गया, जिसमें डॉ. अजय सिंह, डॉ. कल्पना व स्वास्थ्य कर्मी महेंद्र कुमार व योगेंद्र कुमार ने अपनी सेवाएं दीं और जन सामान्य को परामर्श व जरूरी दवा वितरित की गई। अग्निशमन व विद्युत विभाग के कर्मी आवश्यक संसाधनों के साथ सतर्क ड्यूटी पर तैनात रहे। कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम ने मंदिर व मेला समितियों के साथ सभी कार्य में आवश्यक सहयोग व समन्वय स्थापित किया।

नवरंग प्रदर्शनी सह विक्रय मेला का आयोजन

प्रयागराज। इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद द्वारा आयोजित ष्नवरंगष प्रदर्शनी सह विक्रय मेला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रदर्शनी में दिल्ली, लखनऊ, कानपुर, मेरठ सहित विभिन्न शहरों से आई महिला उद्यमियों एवं कलाकारों ने अपने हस्तनिर्मित उत्पादों, कला एवं रचनात्मक कार्यों का प्रदर्शन किया, जिसे आगंतुकों ने खूब

सराहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अभिलाषा नंदी गुप्ता जी ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने प्रदर्शनी में भाग लेने वाली सभी महिला प्रतिभागियों के कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रिया नारायण एवं तान्या ढाल रहीं तथा सह–अध्यक्ष नेहा कक्कड़ रहीं।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: CEN-2026-27-08 दिनांक: 05.08.2026

ई-टेण्डर सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य (इंजी0)/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 28.08.2026 के समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

निविदा नं.: निविदा सूचना सं.: CEN-2026-27-08 अनुमानित मूल्य (रू.): Rs. 86.88 lakh (Approx.)

बोली प्रतिभूति (रू.): 1,72,000/- | कार्य समापन की अवधि: 18 माह

निविदा बंद करने की तिथि एवं समय: 28.08.2026 15:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि: 28.08.2026 15:30 बजे

निविदा का प्रकार: ओपेन टेन्डर (एकलपैकेट प्रणाली)

नोट:- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक 28.08.2026 तक उपलब्ध है। ... 1837/26 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

ढुनमुनियाँ कजरी

(कुण्डलिया)

कजरी की उत्पत्ति का, है केवल अनुमान।
लोकगीत के साथ ही, मिली इसे पहचान।
मिली इसे पहचान, बता
मिर्जापुरवासी।
सामूहिक कह गान, गा रहे हैं अभ्यासी।
सुन लो कहें प्रदीप, बात जिसमें हो गहरी।
मिर्जापुर के लोग, कहें 'ढुनमुनियाँ' कजरी।।

कजरी के संगीत की, सारी विधा अनूप।
लोक सुगम शास्त्रीय हो, सबका अनुपम रूप।
सबका अनुपम रूप, करें लीला का वर्णन।
पहले देवी गीत, बाद में सारे गायन।
देखो प्रकृति प्रदीप, बनी जब
सबकी प्रहरी।
सजधज आती तीज,नारियाँ गाती कजरी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

12 अगस्त को तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण बैठक चौक मंडल महिला मोर्चा

नकाश कोहना शुरू होते हुए लोकनाथ सुलाकी चौराहा रामनभवन पर समापन

आज चौक मंडल महिला संयोजक रोशनीअग्रवाल जी की अध्यक्षता में तिरंगा यात्रा को लेकर सुषमा चौरसिया जी की आवास ओझा अपार्टमेंट राम भवन पर बैठक संपन्न हुई जिसमें मुख्य अतिथि मंडल

अध्यक्ष सुमित वैश्य जी की उपस्थिति में काफी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रहीस यह बैठक 12 तारीख को होने वाले चौक मंडल तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए महिलाओं ने अपनी हुंकार के साथ पूरी पूरी तैयारी के साथ यात्रा को सफल बनाने के लिए संकल्प लिया जिसमें उपस्थित स्वाति जौहरी स्नेह लता वेश अंजू गुप्ता सीमा गुप्ता शर्मिला त्रिपाठी आर्य त्रिपाठी सुधा गुप्ता मीनू साहू आभा वर्मा स्वाति गुप्ता कलावती शुक्ला संगीता यादव पुष्पा सोनी खुशी रानी सरिता सोनी सीता सोनी अनीता गुप्ता किरण केसरवानी रिमी चौरसिया कंचन चौरसिया दीप्ति चौरसिया कृष्णा देवी सुषमा चौरसिया मोहिनी चौरसिया अंजू चौरसिया मीना गुप्ता कीर्ति विकास एवं अनेक महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और मीटिंग में भाग लिया।

मान्यता प्राप्त पत्रकारों की पुनः बहाल की जाए रेल सुविधा– पत्रकार कल्याण परिषद

(रेल यात्रा में पत्रकारों की सुविधा हेतु उत्तर प्रदेश पत्रकार कल्याण परिषद ने सीपीआरो एनसीआर प्रयागराज को सौंपा रेल मंत्री को सम्बोधित ज्ञापन)

प्रयागराज। पत्रकार हिताय पत्रकार सुखाय पत्रकारों के हित उनके सुख सुविधा के लिए पूरे देश भर में संघर्षील संगठन उत्तर प्रदेश पत्रकार कल्याण परिषद ने बीते 6 वर्षों से बन्द पत्रकारों को रेलवे में मिलने वाली

रियायत व सुविधा बहाली हेतु एक मुहीम छेड़ दी है जिसके लिए सर्वप्रथम रेलमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी को आज सौंपा गया जिसमें प्रमुख रूप से यह माँग की गई है कि बीते 6 वर्षों से जो भारतीय रेल में पत्रकारों को सुविधा पूर्व में केन्द्र सरकार उपलब्ध कराती आ रही थी उसे मार्च 2020 से कोविड के दौरान बन्द कर दी गई थी, अब जब की स्थिति पूरी तरह समान्य है और यह सुविधा बन्द किये 6 वर्ष हो गए हैं, ऐसे में रेल मंत्री को चाहिए कि मीडियाकर्मी को कवरेज हेतु सम्पूर्ण भारतवर्ष में यात्रा करने वाले समस्त मान्यता प्राप्त पत्रकारों की सुविधा पुनरू बहाल करें। प्रतिनिधि मण्डल में प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश पत्रकार कल्याण परिषद अध्यक्ष राशिद जमाल,उपाध्यक्ष अरुण कुमार सोनकर,सचिव बलराम शुक्ला, जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी,जिला प्रवक्ता विद्या शंकर मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार दिनेश मिश्रा उपस्थित थे।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: CEN-2026-27-09 दिनांक: 05.08.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य (इंजी.)/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 28.08.2026 के समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

निविदा नं.: निविदा सूचना सं. CEN-2026-27-09, कार्य का विवरण: MKP-IDOJ तीसरी लाइन ...

अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 35.37 Cr. (Approx.) | बोली प्रतिभूति (रू.): ₹ 70,73,300/-

कार्य समापन की अवधि: 15 माह | निविदा का प्रकार: ओपेन टेन्डर (दो पैकेट प्रणाली)

निविदा बंद करने की तिथि और समय: 28.08.2026, 15:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि: 28.08.2026, 15:30 बजे

नोट:- (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक 28.08.2026 तक उपलब्ध है। ... 1834/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

जागो कि वतन खतरे में है!

भारत न ही मेरी जागीर है और न ही केंद्र में सत्ता चला रही सरकार की। सत्ता स्थायी नहीं होती। आज जहां मैं हूं, कल कोई और होगा परन्तु मेरी 'भारत भूमि' सदैव जीवित रहेगी। इस देश के मूलभूत सिद्धांतों और लोकतंत्र को कोई नहीं बदल सकता। यह 140 करोड़ भारतवासियों का देश है। इस देश में पक्ष और विपक्ष के टकराव से अराजकता फैल रही है जिसे रोकना आवश्यक है। इसके लिए केंद्र में सरकार चला रही पार्टी और विपक्षी नेताओं को मिल–बैठकर विचार करना होगा। सत्ता पक्ष को विपक्ष की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना होगा। विपक्ष को सत्ताधारी पार्टी की रीति–नीतियों की आलोचना करने का अधिकार है। सत्ता पक्ष ने यह क्यों सोच लिया कि विपक्ष का हर नेता 'देशद्रोही' है और कि वह विदेशी फंडों के दम पर अराजकता फैला रहा है। इस देश का सत्तापक्ष भी 'देशभक्त' और विपक्ष भी शुद्ध 'देशभक्त'। इक्का–दुक्का नेता इसका अपवाद हो सकते हैं। जहां तक देश की एकता और अखंडता का प्रश्न है, हम सब भारतवासी एक हैं। यह सत्तापक्ष की जिम्मेदारी है कि वह विपक्षी नेताओं को 'वार्तालाप की टेबल' पर लाएं। विपक्ष यह क्यों सोचे कि सत्ता पक्ष उनकी आवाज को सुनता ही नहीं। विपक्ष सरकार का पूरक है। भारत के लोकतंत्र और संविधान का शृंगार है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए दोनों मित्रता का भाव रखें। सरकार और विपक्षी दलों की जिम्मेदारी है कि दोनों मिल कर देश को अराजकता के वातावरण से बाहर निकालें। 140 करोड़ लोग इस देश के मालिक हैं। सरकार लोगों की वोटों से बनती है। इस देश के मालिकों को वोटों के बाद कोई पूछता ही नहीं? क्या कोई साधारण व्यक्ति इस देश के प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों से मिल सकता है? अपने 'ग्रीवैंसिस' अपने चुने हुए प्रतिनिधियों तक पहुंचा सकता है? देश के 98 प्रतिशत लोग तो कभी नहीं। हां, 2 प्रतिशत पहुंच वाले, रौबदार व्यक्ति जरूर मंत्रियों या सचिवों तक पहुंच सकते होंगे। साधारण व्यक्ति ने अपने जन प्रतिनिधियों से मिलने–मिलाने की बात ही भुला दी है। बस इतनी सी बात वह कह सकते हैं। अंग्रेजों का राज था तो महात्मा गांधी जब कभी 'अनशन' या 'आमरण अनशन' में आजादी के आंदोलन के समय बैठते थे तो अंग्रेज सरकार उनसे खुल कर अनशन तोडने, उनकी शिकायत दूर करने की अनुनय–विनय करती। पं. जवाहर लाल नेहरू के सत्याग्रह और अनशन पर अंग्रेजी हुकूमत उनसे वार्तालाप बनाए रखती। आज सत्ता पक्ष और विपक्ष टकराव की मुद्रा में लड़ते–झगड़ते दिखाई देते हैं। मिलकर मतभेदों को सुलझाने वाला कोई नेता न आज सत्तापक्ष में और न विपक्ष के पास है। पर आज की अराजकता से देश का युवा कुछ अधिक दुखी है। आज की युवा पीढ़ी बड़ी बुद्धिमान है। भ्रष्टाचार ने उसको सोचने पर विवश कर दिया है। आज का युवा हैरान है कि 'नीट' के प्रश्नपत्र लीक क्यों हो रहे हैं। पेपर लीक कोई एक–दो बार नहीं, 121 बार हुए हैं। पेपर लीक हर रोज, हर स्टेट में हो रहे हैं। परीक्षा में 33 प्रतिशत अंक लेने वाला तो सरकारी डाक्टर बन गया और जिसने 93 प्रतिशत अंक लिए वह बेकार घूम रहा है। 'चयन प्रणाली दोषपूर्ण, परीक्षा भवन नकल के केंद्र बन रहे हैं। पास को फेल और फेल को अव्वल घोषित किया जा रहा है। कोई पढ़े–लिखे युवाओं की सुनता ही नहीं। ऐसी परिस्थितियों में आप बताएं कि युवा वर्ग 'कॉकरोच जनता पार्टी' न बनाए तो क्या करे? चक्का जाम न करे तो क्या करे। धरना, जलूस, न निकाले तो क्या करे? इस अवसाद में या तो विदेश जाकर 'सफाई सेवक' बन जाएगा या आत्महत्या कर लेगा। क्या आप जानते हैं 'नीट' की परीक्षा में 21 बार पेपर लीक हुए हैं। इससे दुखी होकर 20 के लगभग योग्य युवक–युवतियों ने आत्महत्या कर ली है। क्या केंद्र या राज्य सरकारों ने अपने बहुमूल्य और योग्य युवाओं के माता–पिता के दुख–दर्द को सुना? उनके आंसुओं को पोंछा? फिर युवा वर्ग के पास चारा ही क्या था? आंदोलन, दिल्ली के जंतर–मंतर पर 'आमरण अनशन'। विपक्षी नेताओं को युवाओं को भड़काने–उकसाने और सरकार की गलत नीतियों की आलोचना करने का अवसर मिल गया। लोहा पहले ही 'अयोध्या राम मंदिर' के चढ़ावे में करोड़ों की चोरी के मुद्दे पर गर्म था। सरकार और आर.एस.एस. की साख खतरे में थी। अतरू देश में अराजकता का वातावरण खड़ा हो गया। देश में खतरे की घंटी बज उठी।

परीक्षा लीक से नहीं, पुरानी 'एकाधिकार व्यवस्था' से लड़ें

एम. मुनीर

भारत ने परीक्षा धोखाधड़ी के खिलाफ जंग छेड़ दी है। पेपर लीक के मामले में अब जेल की अधिक सख्त सजा होगी। संगठित नकल सिंडिकेटों को भारी जुर्माने का सामना करना पड़ेगा। जांच प्रक्रिया तेज होगी। विशेष अदालतें त्वरित न्याय प्रदान करेंगी। संसद ने यह निष्कर्ष निकाला है कि यदि परीक्षाएं किसी क्राइम थ्रिलर जैसी लगने लगें, तो शायद आपराधिक कानून को इसमें बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। लेकिन क्या हो, अगर पेपर लीक बीमारी ही न हो? क्या होगा अगर परीक्षा प्रणाली खुद ही एक बीमारी हो? हर साल, लाखों छात्र अपनी किशोरावस्था एक ऐसी परीक्षा की तैयारी में लगा देते हैं, जो सिर्फ कुछ घंटों तक चलती है लेकिन अगले 40 वर्षों के उनके करियर का मार्ग तय करती है। फिर जब प्रश्नपत्र लीक होता है, तो हम हैरान होने का नाटक करते हैं। अत्यधिक जोखिम वाली प्रणालियां अक्सर बड़े अपराधों को जन्म देती हैं। भारत का कोचिंग उद्योग करियर की चिंता और आशंकाओं पर फलता–फूलता है और यह हमारी प्रवेश प्रणाली के कारण अस्तित्व में है। इसका वार्षिक राजस्व 60,000 करोड़ रुपए अनुमानित है और इसके लगातार बढने की उम्मीद है। परिवार अनिवार्य रूप से एक 'लॉटरी' के लिए प्रति माह 50,000 रुपए से अधिक खर्च करते हैं और कुछ तो इसके लिए ऋण भी लेते हैं। आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस (ए.आई.) अब भारत को 1947 के बाद से अपने सबसे मौलिक शैक्षिक सुधारों को लागू करने और देश के परीक्षा दर्शन में संशोधन करने का अवसर देती है। पहला विचार सरल है। इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाले पैनल को यह सिफारिश करके शुरुआत करनी चाहिए कि उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रतियोगी परीक्षा में कई अवसर दिए जाएं। विशिष्ट संस्थानों में प्रवेश चाहने वाले छात्रों को हर महीने सुरक्षित कम्प्यूटर–आधारित परीक्षाएं देने में सक्षम होना चाहिए और रैंकिंग के लिए उनका सर्वोत्तम स्कोर स्वतरू ही चुन लिया जाना चाहिए। ए.आई. संचालित निगरानी, एन्क्रिप्टेड प्रश्न बैंक और एडाप्टिव टैस्ट प्रोटोकॉल इसे संभव बनाते हैं। बहु–अवसर प्रणाली पेपर लीक के प्रोत्साहन को कम करती है क्योंकि कोई भी एक परीक्षा जीवन का अंतिम और एकमात्र फैसला नहीं होती। दूसरा, एक समान प्रश्नपत्रों को समाप्त करें। प्रत्येक उम्मीदवार को एक सत्यापित और हैक–प्रूफ प्रश्न बैंक से ए.आई. द्वारा यादृच्छिक (रैंडमाइज्ड) रूप से तैयार किए गए अद्वितीय प्रश्न मिलने चाहिएं, जो समान कठिनाई स्तरों के लिए कैलिब्रेट किए गए हों। यदि हर प्रश्नपत्र अलग है, तो लीक हुआ पेपर खरीदना जीतने वाले नंबर के घोषित होने के बाद लॉटरी टिकट चुराने जैसा निरर्थक हो जाएगा। तीसरा, यह नाटक करना बंद करें कि स्मरण शक्ति ही बुद्धिमता है। लार्ज लैंग्वेज मॉडल अनगिनत ज्ञान परीक्षणों में पहले से ही मनुष्यों से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारी परीक्षाओं को तदनुसार विकसित होना चाहिए। छात्रों को स्मार्टफोन पर आसानी से उपलब्ध फॉर्मूले याद करने के लिए कहने की बजाय, इस बात का परीक्षण करें कि वे अपरिचित समस्याओं को कैसे हल करते हैं, ए.आई. जैनरेटेड उत्तरों का मूल्यांकन कैसे करते हैं, मतिभ्रम का पता कैसे लगाते हैं, डाटा की व्याख्या कैसे करते हैं और बुद्धिमान प्रणालियों के साथ जिम्मेदारी से सहयोग कैसे करते हैं। कल का इंजीनियर ए.आई. की दुनिया में काम करेगा और उसे यह पहचानने में सक्षम होना चाहिए कि कहां और कैसे गड़बड़ी हो रही है। चौथा, एक 'अकादमिक क्रैडिट पासपोर्ट' बनाएं। छात्र एक निश्चित समय अवधि में कई परीक्षाओं, परियोजनाओं, इंटर्नशिप, हैकाथॉन, शोध कार्य, सामुदायिक सेवा और व्यावहारिक मूल्यांकनों में अंक जमा करेंगे। इसके बाद विश्वविद्यालय एक दर्दनाक रविवार की सुबह के प्रदर्शन की बजाय छात्र के पूरे पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करेंगे। पांचवां, ए.आई. से प्रतिभा की पहचान करने को कहें, न कि केवल नकल पकडने को। परीक्षा प्रणालियां व्यावहारिक डाटा उत्पन्न कर सकती हैं। छात्र कठिन प्रश्नों को कैसे हल करते हैं, वे गलतियों से कितनी जल्दी उबरते हैं और क्या वे लगातार सुधार करते हैं–उदाहरण के लिए, वे कैसे तर्क देते हैं। यदि नैतिक और पारदर्शी तरीके से उपयोग किया जाए, तो ए.आई. लचीलेपन, रचनात्मकता और सीखने की क्षमता की पहचान कर सकता है, जो वास्तव में मायने रखती है। छठा, और यह कोचिंग उद्योग को डरा देगा, विश्वविद्यालयों को अधिक स्वायत्तता दें। हर इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए एक जैसे प्रवेश मानदंड क्यों होने चाहिएं? कुछ संस्थान नवाचार पर जोर दे सकते हैं, अन्य उद्यमिता, अनुसंधान क्षमता या व्यावहारिक योग्यता पर। जब हर संस्थान एक ही प्रवेश परीक्षा का उपयोग करता है, तो उसके लिए तैयारी करने का मतलब खुद को एक आम सांचे में ढालना होता है। हालांकि यह एकरूपता पेच बनाने वाले कारखानों के अनुकूल हो सकती है लेकिन यह मानवीय प्रतिभा के विविधीकरण को बढ़ावा नहीं देती, जो आगे चलकर अधिक महत्वपूर्ण होने वाली है। यदि परीक्षाएं साल भर दी जा सकें, हर प्रश्न पत्र अद्वितीय हो, प्रवेश व्यापक मानदंडों द्वारा तय हो, रटने की बजाय तर्क का मूल्यांकन हो और विश्वविद्यालय विविध ताकतों की तलाश करें, तो कोचिंग सैंटरों को एक असाधारण बदलाव से गुजरना होगा। परीक्षा के गुर सिखाने की बजाय, उन्हें वास्तव में पढ़ाना पड़ेगा। धोखाधड़ी विरोधी कानूनों को सख्त करने वाले भारत के संशोधन आवश्यक हैं क्योंकि संगठित पेपर लीक जनता के विश्वास को खतरे में डालते हैं और वे कठोर सजा के हकदार हैं। लेकिन कल की परीक्षा प्रणाली पुलिसिंग के जरिए भविष्य की शिक्षा चुनौती को हल नहीं कर पाएगी। नकलचियों को पकडना और लीक–पेपर बाजार पर नकेल कसना उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना कि एक ऐसी परीक्षा प्रणाली तैयार करना, जो नकल को व्यावसायिक रूप से निरर्थक बना दे, कोचिंग के एकाधिकार को समाप्त कर दे और याद रखने की क्षमता से अधिक जिज्ञासा को मूल्यवान बनाए।

कार डीलरों की मनमानी: कानून हैं, पर राहत कहां?

रजनीश कपूर

भारत में नई कार खरीदना आज भी कई उपभोक्ताओं के लिए खुशी का पल होने की बजाय तनाव और दबाव का अनुभव बन जाता है। शोरूम में कदम रखते ही डीलर की तरफ से अनावश्यक एक्सैसरीज पैकेज, एक्सटैंडेड वारंटी और खासकर बीमा खरीदने का दबाव शुरू हो जाता है। कई बार तो यह दबाव इतना बढ़ जाता है कि ग्राहक या तो अनचाही चीजें खरीदने को मजबूर हो जाता है या फिर डीलर डिलीवरी में देरी या बुकिंग रद्द करने की धमकी देता है। यह प्रथा न केवल उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि बाजार की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़ा करती है। सवाल है कि कार डीलर अनावश्यक सामान क्यों थोपते हैं? मुख्य कारण लाभ का मार्जिन है। नई कार बेचने पर डीलर का मुनाफा आमतौर पर 4 से 7 प्रतिशत के आसपास रहता है, जबकि मोटर इंश्योरैंस बेचने पर कमीशन 19 से 22 प्रतिशत तक या उससे भी अधिक हो सकता है। एक्सैसरीज, जैसे सीट कवर, मैट, परफ्यूम, क्रोम गाघ्नश या म्यूजिक सिस्टम पर भी अच्छा मार्जिन मिलता है। इसलिए डीलर कार की बिक्री को इन अतिरिक्त उत्पादों से जोड़ देते हैं। कई मामलों में वे बुकिंग या डिलीवरी को इन खरीदारी से सशर्त बना देते हैं। यह व्यवहार बाजार की प्रतिस्पधार्ा को कम करता है और उपभोक्ता की पसंद की स्वतंत्रता छीन लेता है। बीमा के मामले में स्थिति और गंभीर है। मोटर वाहन अधिनियम के तहत हर वाहन का थर्ड–पार्टी बीमा अनिवार्य है लेकिन यह बीमा किसी भी अधिकृत बीमा कंपनी से लिया जा सकता है। डीलर से लेना अनिवार्य नहीं है। फिर भी डीलर अक्सर यह कहते हैं कि उनके पास से बीमा नहीं लिया तो डिलीवरी नहीं होगी या कैशलैस क्लेम सुविधा नहीं मिलेगी। यह दावा सरासर गलत है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने 2017 में मोटर इंश्योरैंस सघ्वस प्रोवाइडर (एम.आई.एस.पी.) दिशा–निर्देश जारी किए थे, जिनके कोड ऑफ कंडक्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एम.आई.एस.पी. ग्राहक को विभिन्न बीमा कंपनियों के विकल्प पेश करे। वह किसी विशेष बीमाकर्त्ता या मध्यस्थ से बीमा खरीदने के लिए मजबूर नहीं कर सकता, न ही ग्राहक के अधिकारों को सीमित कर सकता है। आई.आर.डी.ए.आई. ने कई मौकों पर इस तरह की प्रथाओं के खिलाफ कार्रवाई भी की है।

लघुकथा

भुगतान

अभी अर्थी उठी ही थी कि दूसरे दिन सुबह माँ के कमरे से खटर-पटर की आवाज़ सुनकर बंशीधर ने कमरे में झाँका तो देखकर दंग रह गया।

यह क्या! ये तीनों वही बहुएँ हैं, जो दो दिन पहले तक माँ की सेवा में लगी रहती थीं। कोई पैर दबाती थी, तो कोई सिर में तेल लगाती थी और कोई माँ के लिए रसोई बनाने में जुटी रहती थी। आज वही बहुएँ उनके कमरे में खड़ी उन्हें कोस रही थीं।

एक कह रही थी, "बहुत खून पिया बुढ़िया ने, लेकिन एक पाई भी न छोड़कर गई।"

दूसरी बोली, "वह देखो, कैसे रोज़ चाबियों का गुच्छा कमर में लटकाकर घूमती थीं। लगता था बक्से में बड़ा माल-मत्ता है, लेकिन बक्से में पुरानी चीर-कतरनों के सिवाय कुछ नहीं मिला।"

वहीं बड़ी बहू आँसू टपकाते हुए कह रही थी, "अरे, तुम दोनों ने तो तीन-चार साल ही सेवा की, मैंने तो दस साल सेवा में लगा दिए। लेकिन हाय राम! मेरे साथ इतना बड़ा धोखा...!"

तभी दरवाज़े पर पति को खड़ा देख वह और उसकी देवरानियाँ एकदम सकुचा गईं।

बंशीधर ने गोमती के हाथ में माँ के गहनों की पोटली देते हुए कहा, "यह लो, यह सब तुम तीनों के लिए है... तुम तीनों की सेवा का भुगतान।"

यह कहते हुए उसकी आँखों में पानी भर आया। वह माँ ओर देखकर बुदबुदाया, "हे भगवान! माँ की आत्मा को शांति मिले।"

रचना सक्सेना
प्रयागराज

क्या भूपेश बघेल पंजाब कांग्रेस के संकट को हल कर पाएंगे?

इकबाल सिंह चन्नी

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई.एन.सी.) का इतिहास जितना पुराना और गौरवशाली है, उतना ही आंतरिक कलह, गुटबाजी और ऐतिहासिक विद्रोहों से भी भरा पड़ा है। 1885 में अपनी स्थापना से लेकर आज तक, कांग्रेस ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर कई बड़े उतार–चढ़ाव, गुटबाजी और दलीय विभाजन देखे हैं। वर्तमान में, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पी.पी.सी.सी.) एक बार फिर ऐसे ही गंभीर आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी उच्च कमान ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पंजाब कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त करके एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। बघेल अपने वर्तमान पंजाब दौरे के दौरान पंजाब कांग्रेस के बिखरे हुए गुटों को एकजुट कर पाएंगे या नहीं, इस पर चर्चा करने से पहले, पंजाब में गुटबाजी के इतिहास पर एक नजर डालते हैं। पंजाब कांग्रेस का इतिहास वैचारिक मतभेदों की बजाय व्यक्तिगत अहंकार और मुख्यमंत्री पद के लिए संघर्ष से ही प्रभावित रहा है। पंजाबी सूबे के गठन से पहले और आजादी के तुरंत बाद, 1947 से 1950 तक, तत्कालीन मुख्यमंत्रियों गोपी चंद भार्गव और भीम सेन सच्चर के बीच गठबंधन इतना मजबूत हो गया था कि वे एक–दूसरे को हटाकर मुख्यमंत्री बनते रहे। पंजाबी सूबे के गठन के बाद, 1970 और 1980 के दशक में ज्ञानी जैल सिंह और दरबारा सिंह के बीच का संघर्ष स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इसके बाद के काल में, कैप्टन अमरिंदर सिंह और राजिंदर कौर भट्टल के बीच एक लंबा राजनीतिक युद्ध चला। पंजाब कांग्रेस के लिए सबसे बुरा दौर 2021–2022 का रहा। तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच सार्वजनिक कलह ने पार्टी को खोखला कर दिया। कैप्टन को मुख्यमंत्री पद छोडना पड़ा और उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। हाईकमान ने चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया लेकिन सिद्धू और चन्नी के बीच मतभेदों के कारण कांग्रेस को 2022 के विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। पार्टी के भीतर 2 मुख्य गुट उभर कर सामने आए हैं–संगठनात्मक गुट रू वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के नेतृत्व में। चुनाव प्रचार समिति गुट रू जालंधर से सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में।

चन्नी के समर्थक खुले तौर पर राजा वडिंग को अध्यक्ष पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। ऐसे नाजुक समय में भूपेश बघेल उच्च कमान के दूत के रूप में पंजाब दौरे पर हैं। हालांकि उनके दौरे का मुख्य उद्देश्य 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी को एकजुट करना और जमीनी स्तर पर कार्यकर्त्ताओं को संगठित करना बताया जा रहा है लेकिन असल मकसद पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी को खत्म करना है। कहा जा सकता है कि भूपेश बघेल एक अनुभवी नेता हैं और छत्तीसगढ़ में सफलतापूर्वक सरकार चला चुके हैं। उनकी रणनीति और वर्तमान कार्यकाल के दौरान इसके परिणामों को 2 दृष्टिकोणों से देखा जा सकता है–उनकी यात्रा के सकारात्मक पहलुओं पर गौर करें तो उन्होंने कड़े फैसले लिए हैं और स्पष्ट संदेश दिए हैं। बघेल ने पंजाब पहुंचते ही साफ कर दिया कि नेतृत्व का मुद्दा अब खत्म हो चुका है। उन्होंने घोषणा की कि राजा वड़्क्षडग पार्टी अध्यक्ष बने रहेंगे, चुनाव राहुल गांधी के नाम पर लड़ा जाएगा और चुनाव के बाद हाईकमान मुख्यमंत्री का चेहरा तय करेगा। इसके साथ ही, 'कुर्सी की दौड़' फिलहाल स्थगित हो गई है। जमीनी प्रचार की शुरुआत रू बघेल ने सभी गुटों को व्यक्तिगत कलह छोड़कर 'हर बूथ, कांग्रेस मजबूत' अभियान में शामिल होने का निर्देश दिया है। यह कदम नेताओं का ध्यान आंतरिक कलह से हटाकर विपक्षी दलों पर केंद्रित करने में मददगार साबित हो सकता है। बड़ी चुनौतियां और असफलता का भय रू जन विद्रोह और असंतोष–बघेल के दौरे के बावजूद, पार्टी का अंदरूनी असंतोष शांत नहीं हुआ है। पटियाला, संगरूर और लुधियाना में रैलियों के दौरान चन्नी समर्थकों ने खुलेआम नारे लगाए। इसके अलावा, कई वरिष्ठ नेताओं ने महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठकों से दूरी बनाए रखी, जिससे संकेत मिलता है कि 'सब कुछ ठीक नहीं है'। आंतरिक गद्दारों की चुनौती–बघेल ने स्वयं नेताओं को पार्टी के राज लीक करने वाले 'आंतरिक गद्दारों' से सावधान रहने की चेतावनी दी है। इससे साबित होता है कि पार्टी के भीतर अविश्वास की भावना अभी भी बहुत गहरी है।

भूपेश बघेल ने अपने मौजूदा दौरे के दौरान पंजाब कांग्रेस में 'संगठनात्मक शांति' कायम करने में कामयाबी हासिल की है लेकिन वह नेताओं के बीच की खाई, यानी 'भावनात्मक एकता' को पूरी तरह से नहीं मिटा सके। पंजाब कांग्रेस के नेताओं की व्यक्तिगत राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं इतनी प्रबल हैं कि सिर्फ एक दौरे या सख्त निर्देशों से उन्हें नियंत्रित करना असंभव है। भूपेश बघेल की असली परीक्षा आने वाले समय में टिकट वितरण के दौरान होगी। अगर वह उस समय किसी बड़े विद्रोह को रोकने में सफल होते हैं, तो ही उनकी मेहनत सफल मानी जाएगी, अन्यथा पंजाब कांग्रेस का इतिहास खुद को दोहराने के लिए तैयार है।

नोलन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी 'द ओडिसी', तोड़ा इन दो बड़ी फिल्मों का रिकॉर्ड

फिल्म निर्माता क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म द ओडिसी को दर्शकों ने काफी प्यार दिया। फिल्म उनके करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। फिल्म 'ओडीसी' ने अपनी रिलीज के पहले दिन से ही दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई की। इतनी ही नहीं यूनिवर्सल पिक्चर्स ने रविवार को फिल्म के कलेक्शन से जुड़ी कई जानकारी साझा की। इसके साथ ही फिल्म ने नोलन की पुरानी फिल्मों के कलेक्शन के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है। फिल्म 'ओडीसी' ने पहले महीने में 10,515,99 करोड़ रुपये की कमाई की है। 2012 में रिलीज हुई फिल्म द डार्क नाइट राइज' ने 10,335 करोड़ का कलेक्शन किया था। फिल्म द डार्क नाइट 2008 में रिलीज हुई थी। फिल्म ने पहले महीने में 9,572.98 करोड़ रुपये का करोबार किया था। रविवार तक फिल्म 'द ओडिसी' ने 169.81 का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही भारत में फिल्म ने रविवार के दिन 5.21 करोड़ की कमाई की। मगर अब भी दूसरी हॉलीवुड फिल्म 'स्पाइडर–मैनरू ब्रांड न्यू डे' अपनी शानदार कमाई के बाद पहले स्थान पर है। फिल्म का टोटल कलेक्शन 415.46 करोड़ का है। इसके साथ ही टॉम हॉलैंड की फिल्म पहले नंबर पर है। वहीं 'द ओडिसी' पर बॉक्स ऑफिस पर दूसरे स्थान में हैं। क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी', जो होमर की ग्रीक कविता पर आधारित है, जो साहित्य की सबसे महान यात्राओं में से एक है। जहां ओडिसियस घर लौटने के लिए तूफानों, राक्षसों और अशांत समुद्रों से जूझता है। इस फिल्म की कास्ट में मैट डेमन, रॉबर्ट पैटिनसन, टॉम हॉलैंड, जेंडया, ऐनी हैथवे, चार्लीज थेरॉन और ट्रैविस स्कॉट जैसे सितारे हैं।

> इसके साथ ही भारत में फिल्म ने रविवार के दिन 5-21 करोड़ की कमाई की। मगर अब भी दूसरी हॉलीवुड फिल्म 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' अपनी शानदार कमाई के बाद पहले स्थान पर है। फिल्म का टोटल कलेक्शन 415-46 करोड़ का है। इसके साथ ही टॉम हॉलैंड की फिल्म पहले नंबर पर है।

सावन में उज्जैन पहुंचे सिंगर बी.प्राक, बाबा महाकाल के दर्शन कर हुए भावक, साथ ही नए भजन का किया ऐलान

सावन के पवित्र महीने में प्रसिद्ध गायक और भजन गायक बी.प्राक उज्जैन पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा महाकाल की प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। मंदिर समिति की ओर से उप प्रशासक एस.एन. सोनी ने बी प्राक का स्वागत किया।बाबा महाकाल के दर्शन के बाद बी.प्राक ने कहा कि सावन के महीने में महादेव के दरबार आना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने उज्जैन में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की भी जमकर सराहना की। बी.प्राक ने कहा कि प्रशासन की ओर से भक्तों की सुविधा और दर्शन व्यवस्था को लेकर बेहतर इंतजाम किए गए हैं। बी.प्राक ने बताया कि महाकाल की कृपा से वह पहली बार उज्जैन में परफॉर्मेंस देने पहुंचे हैं। इससे पहले उनका कार्यक्रम इंदौर में हुआ था लेकिन महाकाल की नगरी में प्रस्तुति देना उनके लिए बेहद खास और भावुक अनुभव है। इस दौरान बी प्राक ने अपने चर्चित भजन 'महाकाल' का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 'महाकाल महाकाल है प्यारे' बोल वाले इस भजन को महादेव के आशीर्वाद से लोगों का खूब प्यार मिला और सोशल मीडिया पर इसे करोड़ों व्यूज मिले। बी प्राक ने कहा कि महादेव पर आधारित उनका नया भजन जल्द रिलीज होने वाला है। साथ ही चर्चित 'महाकाल–2' को भी जल्द दर्शकों के बीच लाने की तैयारी है। उज्जैन कार्यक्रम को लेकर बी. प्राक ने मध्यप्रदेश सरकार, पुलिस प्रशासन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताया। उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल के दरबार में दर्शन और यहीं परफॉर्म करना उनके लिए किसी बड़े सौभाग्य से कम नहीं है।

दीपिका पादुकोण सितंबर से पहले पूरी करेंगी राका की शूटिंग, आठ माह की प्रेग्नेंसी में भी दिन-रात कर रहीं काम

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह एक बिटिया दुआ के माता–पिता हैं। कपल के परिवार में एक बार फिर किलकाली गूंजने वाली है। दीपवीर अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करेंगे। दीपिका आठ माह की गर्भवती हैं। अगले महीने उनके घर किलकारी गूंजेगी। इससे पहले वे राका की शूटिंग पूरी कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका पादुकोण सितंबर में अपनी डिलीवरी से पहले–पहले राका की शूटिंग पूरी करने वाली हैं। आठ महीने की प्रेग्नेंसी में भी दीपिका फिल्म की शूटिंग जारी रखे हुए हैं। खबर है कि जरूरत पड़ने पर वह देर रात तक काम कर रही हैं। फिल्मफेयर के मुताबिक, प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया, दीपिका आठ माह के गर्भ से हैं। अगले महीने वे बच्चे को जन्म देंगी। इन दिनों दीपिका पादुकोण आठ माह की गर्भावस्था में भी राका की शूटिंग कर रही हैं। दीपिका सितंबर में अपने दूसरे बच्चे के जन्म से पहले फिल्म की शूटिंग पूरी करने पर ध्यान दे रही हैं। शूटिंग के दौरान वे सेट पर रहती हैं और जरूरत पड़ने पर देर रात तक काम भी करती हैं। एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म राका में अल्लू अर्जुन लीड रोल में हैं। वहीं, दीपिका पादुकोण अहम भूमिका में हैं। यह साइंस–फिक्शन फैंटेसी एक्शन फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है, जिसमें ढेर सारे विजुअल इफेक्ट्स और जबरदस्त एक्शन सीन होंगे। माना जा रहा है कि यह फिल्म 2027 की सबसे बड़ी पैन–इंडिया रिलीज में से एक होगी और फैंस स्क्रीन पर अल्लू अर्जुन और दीपिका की नई जोड़ी को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

जोरू का गुलाम फेम डायरेक्टर शकील नूरानी गिरफ्तार, 33 साल की इस एक्ट्रेस ने लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच और यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। अब इसी कड़ी में मनोरंजन जगत से एक चौकाने वाले खबर सामने आई है। जोरू का गुलाम समेत कई चर्चित हिंदी फिल्मों का निर्देशन कर चुके फिल्ममेकर शकील नूरानी को मंबई की मालवाणी पुलिस में यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 73 वर्षीय शकील नूरानी के खिलाफ 33 साल की एक अभिनेत्री ने दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। अभिनेत्री की शिकायत के आधार पर मालवणी पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद निर्देशक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने शकील नूरानी को अदालत में पेश किया, जहां कोर्ट ने उन्हें 12 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले के सामने आने के बाद एक बार फिर फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की सुरक्षा और कास्टिंग काउच जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, मामले में लगाए गए आरोपों की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है और आगे की स्थिति जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। शकील नूरानी को बड़े दिलवाला और जोरू का गुलाम जैसी फिल्मों के लेखन, निर्माण और निर्देशन के लिए जाना जाता है। अब एक 33 वर्षीय अभिनेत्री ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, फिल्म से जुड़े एक प्रोजेक्ट्स पर बातचीत करने के बहाने नूरानी ने उसे मालवणी स्थित अपने घर बुलाया था। पुलिस के अनुसार, अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि घर पहुंचने के बाद उसके साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है की महिला पहले नशीला पदार्थ दिया गया और बाद में एक वीडियो के जरिए उसे धमकाने की कोशिश की है। अभिनेत्री ने जैसे ही पुलिस में शिकायत दर्ज कराई उसके बाद से ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, मामले में लगाए गए सभी आरोपों की जांच जारी है और आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। इस मामले में मालवणी पुलिस ने शकील नूरानी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2)(ड), 123, 351(2) और 88 के तहत केस दर्ज किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उन्हें बोरीवली हॉलीडे कोर्ट में पेश किया। अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद शकील नूरानी को 12 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। यदि शकील नूरानी के करियर की बात की जाए तो शकील बहुत ही जाने–माने निर्देशक हैं। 1991 से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने जोरू का गुलाम फिल्म का भी निर्देशन किया। इस फिल्म में गोविंदा और ट्विंकल खन्ना ने अहम किरदार निभाया। शकील द्वारा बनाई गई यह फिल्म इंडस्ट्री में काफी हिट हुई।

व्यक्तित्व अधिकार मामले में तब्बू को हाई कोर्ट से राहत, आपत्तिजनक कंटेंट डिलीट करने का दिया आदेश

बॉलीवुड स्टार तब्बू की तस्वीरें, वीडियो, आवाज या व्यक्तित्व अधिकारों से जुड़े अन्य प्रतीकों का इस्तेमाल उनकी अनुमति के बिना नहीं किया जा सकेगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्ट्रेस को पर्सनैलिटी राइट मामले में बड़ी राहत दी है। उन्होंने तब्बू के नाम, तस्वीर, आवाज, फोटोग्राफ और व्यक्तित्व से जुड़ी अन्य चीजों को अनधिकृत इस्तेमाल से बचाने के लिए एकतरफा अंतरिम रोक का आदेश दिया। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्ट्रेस तब्बू की पहचान के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाई है। साथ ही गूगल, मेटा, एक्स और रेडिट समेत कई प्लेटफॉर्म को एआई से बने कंटेंट वाले 150 से ज्यादा न्त्स हटाने का आदेश दिया है। हाइकोर्ट का आदेश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीपफेक, फेस मॉर्फिंग और दूसरी डिजिटल टेक्नोलॉजी के जरिए होने वाले अनधिकृत इस्तेमाल पर भी लागू होगा। अभिनेत्री की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस ज्योति सिंह ने कई बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म को निर्देश दिया है कि वे उन कंटेंट को हटा दें या उन तक पहुंच बंद कर दें, जिनमें तब्बू से जुड़ा अनधिकृत और आपत्तिजनक कंटेंट होने का आरोप है।

कोर्ट ने कुछ प्लेटफॉर्म और डोमेन सर्विस प्रोवाइडर्स को यह भी आदेश दिया कि वे उन अकाउंट्स या कंटेंट से जुड़ी बेसिक सब्सक्राइबर जानकारी और प्ष लॉग डिटेल्स का खुलासा करें।

कोर्ट का यह आदेश तब्बू की उस याचिका पर आया, जिसमें उन्होंने पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी से जुड़े अधिकारों की सुरक्षा की मांग की थी। एक्ट्रेस का आरोप था कि फेक इवेंट–बुकिंग अकाउंट्स, बिना इजाजत बेचे जा रहे सामान, मनगढ़ंत बयानों और आईपी से बने या हेर–फेर किए गए अश्लील कंटेंट के जरिए ऑनलाइन उनकी पहचान का कमर्शियल फायदा उठा रहे थे। कोर्ट ने माना कि तब्बू का नाम और उनका स्टेज नेम श्तब्बूश, साथ ही उनकी तस्वीर, आवाज और व्यक्तित्व की दूसरी खूबियों ने एक खास पहचान बना ली है और लोग तुरंत उन्हें इनसे पहचान लेते हैं। जस्टिस सिंह ने कहा कि तब्बू ने एकतरफा अंतरिम रोक पाने के लिए शुरुआती तौर पर मजबूत मामला बनाया है और मामला उनके पक्ष में है। कोर्ट ने यह भी माना कि अगर उन्हें अंतरिम सुरक्षा नहीं दी गई, तो उन्हें ऐसा नुकसान हो सकता है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकेगी। साथ ही कहा गया कि व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किसी मशहूर शख्स के नाम, छवि या अन्य विशिष्ट विशेषताओं का अनधिकृत उपयोग उल्लंघन हो सकता है। इससे व्यक्ति की विशिष्ट पहचान कमजोर हो सकती है और इसके कारण तीसरे पक्ष को अनर्जित व्यावसायिक लाभ हो सकता है। मामले का एक महत्वपूर्ण पहलू तब्बू का यह आरोप था कि उनकी फिल्मों, इंटरव्यू और सार्वजनिक उपस्थिति के अंशों में हेरफेर करके एआई–जनित अश्लील छवियां, वीडियो और जीआईएफ ऑनलाइन प्रसारित किए जा रहे थे।

कोर्ट ने कहा कि फिल्मों, सार्वजनिक कार्यक्रमों या इंटरव्यू से जान–बूझकर एडिट किए गए कंटेंट वाले आईपी–जनरेटेड वीडियो को अपलोड और शेयर करना, जिसका मकसद सनसनी फैलाना और पैसे कमाने के लिए ट्रैफिक को अपनी ओर मोड़ना था, वह तब्बू की गुडविल, प्रतिष्ठा और कमर्शियल वैल्यू नुकसान पहुंचा रहा था।

वास्तु दोष दूर करेगा सूर्य यंत्र, बैसाखी पर घर की इस दिशा में लगाने से होगा फायदा

पंजाबियों का प्रसिद्ध त्योहार बैसाखी आने में कुछ ही दिन बचे हैं। इस बार बैसाखी 14 अप्रैल को मनाई जाएगी । इसी दिन से सौर वर्ष की भी शुरुआत होती है। बैसाखी वाले दिन ही सूर्य देव

मेष राशि में आते हैं इसके अलावा सूर्य की उच्च राशि मेष ही मानी जाती है। जब सूर्य देव इस राशि में आते हैं तो सौर वर्ष की शुरुआत होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, बैसाखी पर वास्तु दोष दूर करने और घर की सुख–शांति बनाए रखने के लिए सूर्य यंत्र लगाना शुभ माना जाता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि सूर्य यंत्र किस दिशा में लगाना शुभ माना जाता है...

वास्तु दोष होगा दूर

वास्तु शास्त्र की मानें तो बैसाखी पर आप घर की उत्तर दिशा में सूर्य यंत्र लगा सकते हैं। इससे आपको हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। इसके अलावा आप सूर्य यंत्र को धारण करके इसकी नियमित पूजा करें। नियमित पूजा ने शुभ फल भी मिलेगा और घर का वास्तु दोष भी दूर होगा।

लगाएं ऐसा सूर्य यंत्र

बैसाखी पर आप तांबे का सूर्य यंत्र घर में लगा सकते हैं। इस तरह का सूर्य यंत्र इस दौरान घर में लगाना शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में पॉजिटिव एनर्जी आएगी और घर का वास्तु दोष भी दूर होगा। इसके अलावा बैसाखी पर इसे घर में लगाने से सदस्यों की तरक्की होती है और व्यक्ति को शोहरत मिलती है।

कुंडली में मजबूत होगा सूर्य

घर में तांबे का सूर्य लगाने से कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है। व्यक्ति को मान–सम्मान मिलता है, परिवार के सदस्यों की तरक्की होती है। इसके अलावा कुंडली में सूर्य को मजबूत करने के लिए आप बैसाखी पर सूर्य यंत्र की पूजा करें। इससे सूर्य के साथ नौ ग्रहों का शुभ मिलेगा और वास्तु दोष भी दूर होगा।

इस दिशा में लगाएं तांबे का सूर्य

बैसाखी पर घर में आप सूर्य लगाने से व्यक्ति के जीवन की परेशानियां दूर होती हैं। आप इसे घर की उत्तर या फिर ईशान कोण में लगा सकते हैं। व्यापारिक स्थल पर पूर्व दिशा में सूर्य यंत्र लगाने से व्यापार में तरक्की मिलती है व्यक्ति की समाज में प्रतिष्ठा बढ़ती और घर के सदस्यों की भी प्रगति होने लगती है।

कार्य में आ रही बाधा होगी दूर

यदि आपका कोई कार्य पूरा नहीं हो रहा है या उसमें बाधा आ रही है तो आप बैसाखी वाले दिन सूर्य यंत्र स्थापित करें। इससे पूरे सौरवर्ष में आपको किसी भी चीज की कमी नहीं होगी। इसके अलावा कोर्ट कचहरी में यदि आपका कोई मामला चल रहा है तो बैसाखी वाले दिन सूर्य यंत्र स्थापित करें। यदि आप किसी तरह के रोग से परेशान हैं तो सूर्य यंत्र का पेंडेट धारण करें।

दूसरों की मदद के लिए हमेशा रहते हैं तैयार, बेहद दरियादिल होते हैं इन मूलांक के लोग

अंक ज्योतिष में जन्म तारीख के आधार पर व्यक्ति का मूलांक निकाला जाता है। माना जाता है कि मूलांक के स्वामी ग्रह का प्रभाव व्यक्ति के स्वभाव और व्यक्तित्व पर भी पड़ता है। अंक शास्त्र में कुछ मूलांक ऐसे बताए गए हैं, जिनसे जुड़े लोगों को दयालु, संवेदनशील और मददगार माना जाता है। ये लोग दूसरों की परेशानी देखकर खुद आगे बढ़कर उनकी मदद करने की कोशिश करते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही 3 मूलांक के बारे में।

मूलांक 3 वाले लोगः अंक ज्योतिष के अनुसार, किसी भी महीने की 3, 12, 21 और 30 तारीख को जन्मे लोगों का मूलांक 3 होता है। इस मूलांक के स्वामी ग्रह गुरु (बृहस्पति) माने जाते हैं।

परोपकारी और मददगार स्वभाव

मूलांक 3 वाले लोगों को दान–पुण्य और सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाला माना जाता है। किसी जरूरतमंद की आर्थिक मदद करनी हो या किसी सामाजिक और धार्मिक कार्य में योगदान देना हो, ये लोग अपनी क्षमता के अनुसार मदद करने से पीछे नहीं हटते। किसी व्यक्ति को परेशानी में देखकर ये भावुक हो सकते हैं और उसकी मदद के लिए आगे आने की कोशिश करते हैं।

मूलांक 6 वाले लोगः मूलांक 6 का संबंध 6, 15 और 24 तारीख को जन्मे लोगों से होता है। अंक ज्योतिष में इसके स्वामी ग्रह शुक्र माने जाते हैं। शुक्र को सुख–सुविधा, प्रेम, सौंदर्य और ऐश्वर्य से जोड़कर देखा जाता है।

दूसरों के प्रति रखते हैं सहानुभूति

मूलांक 6 वाले लोगों को आमतौर पर संवेदनशील और केयरिंग स्वभाव का माना जाता है। ये अपने करीबियों की जरूरतों और भावनाओं को समझने की कोशिश करते हैं। किसी को मुश्किल में देखकर ये मदद करने के लिए आगे आ सकते हैं। परिवार और दोस्तों के अलावा जरूरतमंद लोगों की सहायता करना भी इन्हें अच्छा लगता है।

मूलांक 9 वाले लोगः अंक ज्योतिष के अनुसार, किसी भी महीने की 9, 18 और 27 तारीख को जन्मे लोगों का मूलांक 9 होता है। इस मूलांक के स्वामी ग्रह मंगल माने जाते हैं।

न्याय और मदद के लिए रहते हैं तैयार

मूलांक 9 वालों को साहसी और मजबूत व्यक्तित्व वाला माना जाता है। इनमें दूसरों की मदद करने और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की भावना देखी जा सकती है। जरूरतमंद या कमजोर व्यक्ति को परेशानी में देखकर ये उसकी सहायता करने के लिए आगे आ सकते हैं। दान–पुण्य और सामाजिक कार्यों में योगदान देने की इच्छा भी इनमें हो सकती है।

इन मूलांक वालों की खासियत

अंक ज्योतिष की मान्यताओं के अनुसार, मूलांक 3, 6 और 9 वाले लोगों में दया, सेवा और परोपकार की भावना मजबूत मानी जाती है। हालांकि हर व्यक्ति का स्वभाव केवल उसके मूलांक से तय नहीं होता। व्यक्तित्व पर परिवार, परवरिश, परिस्थितियों और व्यक्तिगत अनुभवों का भी प्रभाव पड़ता है।

हरियाली तीज पर क्यों लगाया जाता है मालपुए का भोग?

हरियाली तीज सावन महीने में आती है। इस दौरान बारिश के कारण मौसम सुहावना और चारों तरफ हरियाली होती है। इस पर्व पर कई जगहों पर भगवान शिव और माता पार्वती को मीठे पकवानों का भोग लगाने की परंपरा है। मालपुआ भारत की पारंपरिक मिठाइयों में से एक है, जिसे आटा या मैदा, दूध, चीनी और अन्य सामग्री से तैयार किया जाता है। कई परिवारों में इसे पूजा के भोग के रूप में बनाया जाता है। हालांकि मालपुआ का भोग लगाना क्षेत्रीय और पारिवारिक परंपराओं के अनुसार अलग–अलग हो सकता है।

घर पर ऐसे बनाएं स्वादिष्ट मालपुआ

सामग्री

मैदा : 1 कप

दूध : 1 कप

चीनी : स्वादानुसार

सौंफ : 1/2 चम्मच

इलायची पाउडर : 1/4 चम्मच

घी या तेल : तलने के लिए

चाशनी के लिए चीनी और पानी

कटे हुए ड्राई फ्रूट्स : गार्निश के लिए

मालपुआ बनाने की विधि

1. सबसे पहले एक बड़े बर्तन में मैदा लें और उसमें दूध ा डालकर चिकना बैटर तैयार करें।

2. इसमें चीनी, सौंफ और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

3. बैटर को कुछ देर के लिए ढककर रख दें, ताकि इसका टेक्सचर अच्छी तरह सेट हो जाए।

4. एक कड़ाही में घी या तेल गर्म करें।

5. अब एक चम्मच बैटर लेकर कड़ाही में गोल आकार में डालें और दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंकें।

6. तैयार मालपुए को कुछ देर के लिए चीनी की चाशनी में डुबोएं।

7. ऊपर से कटे हुए ड्राई फ्रूट्स डालकर भगवान शिव और माता पार्वती को भोग लगाएं।

हरियाली तीज का धार्मिक महत्व

हरियाली तीज को मुख्य रूप से शिव–पार्वती के प्रेम और वैवाहिक सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है। महिलाएं इस दिन व्रत और पूजा करके अपने पति की लंबी उम्र, सुखी वैवाहिक जीवन और परिवार की खुशहाली की कामना करती हैं। हरे रंग को सावन की हरियाली, प्रकृति और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। इसलिए इस दिन हरे वस्त्र और हरी चूड़ियां पहनने की परंपरा कई क्षेत्रों में प्रचलित है। हरियाली तीज सिर्फ व्रत और पूजा का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, प्रेम, सुहाग और पारंपरिक संस्कृति से जुड़ा त्योहार भी है। इस दिन झूला झूलने, हरे रंग के कपड़े पहनने और पारंपरिक मिठाइयों का भोग लगाने की परंपरा इसे और खास बनाती है। अगर आपके परिवार में मालपुआ का भोग लगाने की परंपरा है, तो इस तीज पर घर पर इसे बनाकर भगवान शिव और माता पार्वती को श्रद्धापूर्वक अर्पित कर सकती हैं।

बच्चों को बनाना है केयरिंग तो पेरेंट्स बचपन से ही करें इन बातों पर गौर

छोटे बच्चे प्यार के भूखे होते हैं उन्हें जहां भी प्यार मिले वो वहां पर अपना दिल लगा लेते हैं। इसके अलावा बच्चे अपने माता–पिता के भी काफी क्लोज होते हैं। हर माता–पिता यही चाहते हैं कि उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा और अच्छे जीवन मिले। ऐसे में पेरेंट्स को बचपन से ही बच्चों को अच्छी आदतें सिखानी होगी। अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे हर किसी की बड़े होकर केयर करें तो आप उन्हें बचपन से ही यह चीजें सिखाना शुरु कर दें। तो चलिए आपको बताते हैं ऐसी कौन सी आदतें हैं जो आपको बचपन से ही बच्चों को सिखानी चाहिए...

सिखाएं मदद करना

बच्चों के लिए सबसे पहले रोल मॉडल उसके पेरेंट्स ही होते हैं ऐसे में यदि आप उन्हें कोई भी चीज सिखाएंगे तो वह आसानी से सिख लेंगे। उन्हें सिखाएं कि घर के हर सदस्य का ख्याल रखें, अपने आस–पास के लोगों की मदद करें। जरुरतमंद व्यक्तियों की सहायता करें। किसी अंजान व्यक्ति की सहायता करें इससे बच्चे हर किसी का ख्याल रखना सिखेंगे और उनके मन में हर किसी के लिए एक अच्छी देखभाल का भाव भी उत्पन्न होगा।

खुद भी करें चीजों को फॉलो

बच्चों के सामने यदि आप भी किसी की मदद, जानवरों और पेड़–पौधों का सम्मान करते हैं तो इससे बच्चे भी अपने आस–पास की चीजों को लेकर रिस्पॉन्सिबल होंगे। इसके अलावा वह बिना हिचकिचाए हुए आसानी से सभी की मदद कर पाएंगे। आप चाहें तो उन्हें किसी संस्था से भी जोड़ सकते हैं। संस्था के साथ जुड़के नेक काम करके बच्चे नई–नई चीजों को एक्सपलोर कर पाएंगे।

छोटे–छोटे काम करने के लिए करें प्रेरित

इसके अलावा आप बच्चों को जैसे की घर में मौजूद सदस्य दादी–दादा की देखभाल करने की जिम्मेदारी भी दे सकते हैं। इसके अलावा यदि उनका कोई छोटा भाई या बहन है तो उसे स्कूल साथ में ले जाने के लिए कहें । उन्हें इस बात का एहसास दिलवाएं कि घर के सदस्यों की अच्छे से केयर करें उनका फर्ज है। इससे वह अपना काम और भी अच्छे से कर पाएंगे। इसके अलावा यदि आपका बच्चा हर समय घर में अकेला रहता है तो आप उसे कोई पेट भी खरीद कर दे सकते हैं।

गलती करने पर माफी मांगना बताएं

बच्चों को यह भी जरुर सिखाएं कि यदि उनसे कोई गलती होती है तो वह इस पर माफी जरुर मांगे। कई बार पेरेंट्स बच्चों की गलतियां हंसी–हंसी में नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन इससे बच्चे आगे चलकर और भी बदतमीज बन सकते हैं। ऐसे में उन्हें यह आदत जरुर सिखाएं कि यदि उनसे गलती हुई है तो वो सामने वाले से माफी भी जरुर मांगें।

दूसरों के प्रति सहानुभूति

बच्चों को सिखाएं कि दूसरों के प्रति उसे सहानुभूति रखनी चाहिए। आप चाहें तो उनके सामने किसी दोस्त के ऊपर चर्चा कर सकते हैं। जैसे यदि उनका दोस्त हर समय उदास रहता है तो आप उससे पूछें कि उनका दोस्त किस बात पर नाराज है। इससे बच्चे दूसरे की परेशानियां समझना सिखेंगे और उनके प्रति सहानुभूति भी दिखाएंगे।

संक्षिप्त

ऑक्सफैम के अनुसार 1 प्रतिशत अमीरों की संपत्ति 34 लाख करोड़ डॉलर बढ़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। एलन मस्क की संपत्ति 1.11 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने के बीच दुनिया में आर्थिक असमानता का फासला भी बढ़ता जा रहा है। ऑक्सफैम के मुताबिक 2015 से 2025 के बीच दुनिया के सबसे अमीर 1: लोगों की संपत्ति 34 लाख करोड़ डॉलर से अधिक बढ़ी, लेकिन अत्यधिक गरीब लोगों की संख्या अपेक्षित गति से नहीं घटी। इसी अंतर के बीच अर्थशास्त्रियों, विशेषज्ञों ने द रोडमैप फॉर इरैडिकेटिंग पॉवर्टी बियॉन्ड ग्रोथ तैयार कर मौजूदा विकास मॉडल पर सवाल उठाया है। फोर्ब्स के अनुसार जनवरी 2020 में मस्क की संपत्ति करीब 28 अरब डॉलर थी और वह दुनिया के 35वें सबसे अमीर व्यक्ति थे। इसके बाद उनकी संपत्ति में अभूतपूर्व तेजी आई और यह 1.11 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गई। ऑक्सफैम का कहना है कि मस्क की अकेले की संपत्ति दुनिया की सबसे गरीब 46 प्रतिशत आबादी यानी करीब 3.8 अरब लोगों की कुल संपत्ति से भी अधिक है। 2025 में दुनिया में अरबपतियों की संख्या भी 3,000 के पार पहुंच गई। दूसरी तरफ गरीबी और सार्वजनिक सेवाओं का संकट बना हुआ है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन यानी यूएनसीटीएडी के अनुसार दुनिया में 3.4 अरब लोग ऐसे देशों में रहते हैं, जहां सरकारें स्वास्थ्य व शिक्षा पर जितना खर्च करती हैं, उससे अधिक कर्ज का ब्याज चुकाने में खर्च करती हैं। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 1990 के बाद भी अपेक्षित गति से नहीं घटी है। यह स्थिति उस धारणा पर सवाल खड़ा करती है कि आर्थिक वृद्धि का लाभ समय के साथ समाज के सभी वर्गों तक स्वतः पहुंच जाएगा।

हर साल लगने वाले वार्षिक शुल्क से मुक्ति, क्या है सबसे कारगर तरीका?

नई दिल्ली,एजेंसी। क्रेडिट कार्ड पर हर साल लगने वाले वार्षिक शुल्क से हर कोई बचना चाहता है। कई बार आपने सुना होगा कि लोग अपने रेगुलर या पेड क्रेडिट कार्ड को लाइफटाइम फ्री कार्ड में बदलवा लेते हैं। लेकिन बैंक यह फैसला कैसे लेते हैं और आप अपना कार्ड लाइफटाइम फ्री कैसे करवा सकते हैं? लाइफटाइम फ्री कार्ड वह कार्ड है, जिसमें आपसे कभी भी जॉइनिंग फीस या एनुअल रिन्युअल फीस नहीं ली जाती। हालांकि, फ्री शब्द केवल कार्ड रखने के शुल्क पर लागू होता है। यदि आप बिल भुगतान में देरी करते हैं, तो ब्याज, लेट पेमेंट चार्ज और एटीएम कैश विड्रॉल फीस जैसे शुल्क लागू रहते हैं। बैंक क्रेडिट कार्ड को लाइफटाइम फ्री किसी दया या तोहफे के तौर पर नहीं, बल्कि अपने ग्राहक को रोके रखने के लिए करते हैं। नया ग्राहक बनाने में बैंक को जितना खर्च करना पड़ता है, उसकी तुलना में एक पुराने ग्राहक को रोके रखना काफी सस्ता पड़ता है। बैंकों की कमाई का जरिया सिर्फ वार्षिक शुल्क नहीं होता। वे आपके द्वारा कार्ड स्वाइप करने पर मिलने वाले मर्चेंट डिस्काउंटध्इंटरचेंज शुल्क, ईएमआई और ट्रांजेक्शन वॉल्यूम से भी अच्छा राजस्व कमाते हैं। इसलिए यदि आप क्रेडिट कार्ड का नियमित इस्तेमाल करते हैं और समय पर बिल चुकाते हैं, तो बैंक आपका वार्षिक शुल्क माफ करने के लिए तैयार हो जाते हैं। अगर आपके पास एक अच्छा रीपेमेंट रिकॉर्ड है और आप नियमित रूप से कार्ड का उपयोग करते हैं, तो कार्ड को लाइफ टाइम फ्री कराने की सबसे आसान ट्रिक है, कार्ड कैंसिलेशन/क्लोजर रिक्वेस्ट। जब आप बैंक से कार्ड बंद करने की कहते तो बैंक का रिटेंशन डिपार्टमेंट आपसे संपर्क करता है। एक जिम्मेदार ग्राहक को खोने के बजाय, बैंक अक्सर आपको कार्ड बंद न करने के बदले में उस पेड कार्ड को लाइफटाइम फ्री करने या आने वाली वार्षिक फीस माफ करने का ऑफर दे देते हैं। इसके अलावा, यदि आप हर साल बैंक द्वारा तय की गई खर्च सीमा को लगातार पूरा करते हैं, तो कई बैंक आपके कार्ड को स्थायी रूप से फ्री कर देते हैं।

दो मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में चार्जशीट दाखिल, कितने करोड़ के लेनदेन पर आरोप?

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल अंबानी समूह से जुड़ी कंपनियों और पूर्व अधिकारियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के दो मामलों में चार्जशीट दाखिल की है। एक मामले में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े 187 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी का आरोप है। दूसरे मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस से जुड़े मामले में अपराध की रकम 40,185 करोड़ रुपये बताई गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल अंबानी समूह से जुड़ी कंपनियों और पूर्व अधिकारियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के दो अलग–अलग मामलों में चार्जशीट दाखिल की है। पहले मामले में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, समूह के पूर्व अधिकारी सतीश सेठ और अन्य के खिलाफ दिल्ली की द्वारका स्थित विशेष पीएमएलए अदालत में अभियोजन शिकायत दाखिल की गई है। दूसरे मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़े मामले में राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत में पूरक चार्जशीट दाखिल की गई है। इस मामले में मुख्य चार्जशीट मार्च में दाखिल हुई थी। ईडी के मुताबिक दोनों मामलों में वित्तीय लेनदेन और कथित धन के डायवर्जन की जांच की गई है। पहला मामला मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की फरवरी में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। ईडी के अनुसार जांच में चार एनएचएआई की टोल रोड परियोजनाओं से करीब 187 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी का पता चला। इनमें त्रिची–करूर, त्रिची–दिंडीगुल, सेलम–उलुंदरपेट और जयपुर–रींगस परियोजनाएं शामिल हैं। एजेंसी का आरोप है कि सितंबर–अक्तूबर 2010 में फर्जी उप–ठेकेदारी के काम और पिछली तारीख के दस्तावेजों के जरिए करीब 187 करोड़ रुपये को अलग–अलग संस्थाओं के माध्यम से भेजा गया।

2023 में ही टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने वाले थे लक्ष्मण, फिर क्यों किया इनकार? अब खुद बताया कारण

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने अपने करियर से जुड़े एक बड़े राज का खुलासा किया है। लक्ष्मण ने बताया कि वह 2023 में ही भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बनने वाले थे, लेकिन निजी कारणों से उन्होंने यह जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राहुल द्रविड़ का कार्यकाल आगे बढ़ाया गया और उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप तक टीम की कमान संभाली। लक्ष्मण ने रविवार को बंगलूरू स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि 2023 वनडे विश्व कप के बाद उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया जाना था। हालांकि, उस समय निजी कारणों के चलते वह इस जिम्मेदारी को स्वीकार नहीं कर सके।

लक्ष्मण ने कहा, 2023 में मुझे मुख्य कोच बनना था। निजी कारणों से मैं यह जिम्मेदारी नहीं ले सका। मैं जय (शाह) से दो बार जाकर मिला और उन्होंने मेरी परिस्थितियों को समझा। लक्ष्मण के इस फैसले के बाद राहुल द्रविड़ का कार्यकाल बढ़ाया गया। द्रविड़ के नेतृत्व में भारत ने 2024 टी20 विश्व कप का खिताब भी जीता। राहुल द्रविड़ के कार्यकाल के समाप्त होने से पहले मई 2024 में बीसीसीआई ने नए मुख्य कोच की तलाश शुरू की थी। उस समय भी लक्ष्मण का नाम प्रमुख दावेदारों में शामिल था। हालांकि, अंत में गौतम गंभीर को भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। लक्ष्मण इस दौरान राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़े रहे और कई मौकों पर अंतरिम मुख्य कोच की भूमिका भी निभाई। हाल ही में उन्होंने भारत के जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की कमान संभालने वाले कोचिंग सेटअप में भी योगदान दिया था। गौतम गंभीर के कार्यकाल को लेकर उठ रहे सवालों और भारतीय टीम के टेस्ट प्रदर्शन पर बहस के बीच लक्ष्मण का नाम एक बार फिर चर्चा में आया। कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया कि बीसीसीआई उन्हें मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर की जगह संभावित उम्मीदवार के तौर पर देख रहा है।

अजित अगरकर के भविष्य को लेकर अभी बीसीसीआई ने कोई अंतिम फैसला नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि वह 2027 वनडे विश्व कप तक मुख्य चयनकर्ता बने रहेंगे या नहीं। हालांकि, लक्ष्मण ने अपने भविष्य को लेकर स्थिति काफी साफ कर दी है। उन्होंने संकेत दिया कि फिलहाल उनका राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच या चयन समिति में जाने का कोई इरादा नहीं है। लक्ष्मण ने बताया कि उन्होंने बंगलूरू स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। उनके मुताबिक, बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह ने उन्हें अपने विजन के मुताबिक काम करने की पूरी आजादी दी, जबकि मौजूदा सचिव देवजीत सैकिया भी उन्हें लगातार समर्थन दे रहे हैं। लक्ष्मण ने कहा, श्जय शाह और बीसीसीआई ने मुझे अपने विजन को लागू करने की आजादी दी। देवजीत भी मुझे लगातार समर्थन दे रहे हैं। इसलिए मैंने सीओई में अपना कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ाया है और बीसीसीआई से प्रतिबद्धता जताई है कि मैं हेड कोच का पद नहीं संभालूंगा। आप सभी जानते हैं कि 2024 में भी मुझसे संपर्क किया गया था। लक्ष्मण ने यह भी बताया कि अगले दो वर्षों में उनका मुख्य लक्ष्य सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की व्यवस्था को और मजबूत करना है। वह इसकी संरचना, प्रक्रियाओं और अलग–अलग विभागों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया को पूरी तरह स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि दो साल का कार्यकाल पूरा होने से पहले वह सीओई की संरचना, प्रक्रियाओं और प्रोटोकॉल को व्यवस्थित करना चाहते हैं। लक्ष्मण ने कहा कि उन्हें खुशी है कि टीम के सहयोग से वह सीओई में एक विश्वस्तरीय कार्यक्रम स्थापित करने में सफल रहे हैं। फिलहाल लक्ष्मण का फोकस भारतीय टीम की ड्रेसिंग रूम में वापसी या राष्ट्रीय चयन समिति में जाने के बजाय बंगलूरू स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को मजबूत करने पर है।

क्या नंबर-3 पर जगह पक्की कर पाएंगे देवदत्त पडिक्कल? 142 रन की पारी पर सितांशु कोटक ने कही बड़ी बात

कोलंबो,एजेंसी। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने बाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल की जमकर तारीफ की है। श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच में नाबाद 142 रन की शानदार पारी खेलने वाले पडिक्कल की बल्लेबाजी को कोटक ने बहुत अच्छी बताया। पडिक्कल ने अपनी पारी में 18 चौके लगाए और भारत की छह विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई। उनकी इस पारी से टेस्ट टीम में नंबर–3 की जगह को लेकर भारत की चिंता कुछ कम हुई है। दरअसल, इस स्थान के प्रमुख दावेदार बी साई सुदर्शन पैर के अंगूठे की चोट से उबर रहे हैं और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। कोटक ने बीसीसीआई टीवी से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि देवदत्त ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। मेरे लिए देवदत्त की पारी वास्तव में बहुत अच्छी थी। भारत ने अभ्यास मैच के तीसरे दिन अंतिम सत्र में 207 रन के लक्ष्य को चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह मुकाबला 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम के लिए अहम तैयारी का हिस्सा था।

कोटक ने कहा कि चार दिन नेट्स में अभ्यास करने के मुकाबले अभ्यास मैच में खेलने से टीम को ज्यादा फायदा मिला। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों ने अच्छी तीव्रता के साथ गेंदबाजी की और सभी खिलाड़ियों को पर्याप्त मैच अभ्यास मिला। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छा और उपयोगी रहा, क्योंकि चार दिन और नेट्स में अभ्यास करना अभ्यास मैच खेलने जितना उपयोगी नहीं होता। गेंदबाजों ने अच्छी तीव्रता के साथ गेंदबाजी की। हमने सभी को आजमाया और गेंदबाजों को भी बल्लेबाजी का मौका मिला। कोटक के मुताबिक, आकिब नबी को छोड़कर, जिन्होंने पांच ओवर गेंदबाजी की, बाकी विशेषज्ञ गेंदबाजों ने मुकाबले में करीब 18 से 20 ओवर गेंदबाजी की। वहीं, नबी और प्रसिद्ध कृष्णा को छोड़कर बाकी गेंदबाजों को बल्लेबाजी का भी मौका मिला। उन्होंने सपाट पिच पर भारतीय तेज गेंदबाजों के प्रयास की भी सराहना की। इसके अलावा मोहम्मद सिराज और गुरनूर बरार के निचले क्रम में लगाए गए छक्कों को भी उन्होंने सकारात्मक पहलू बताया।

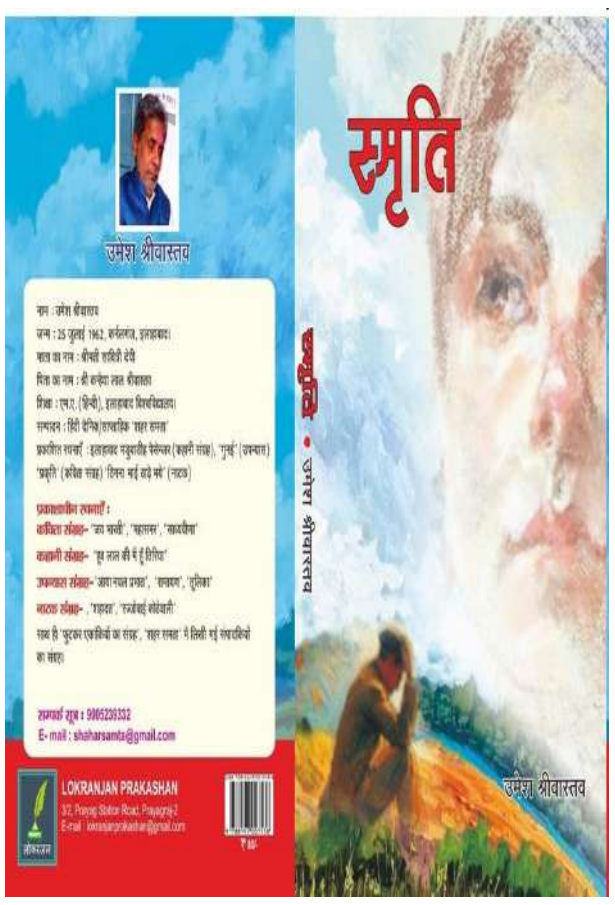

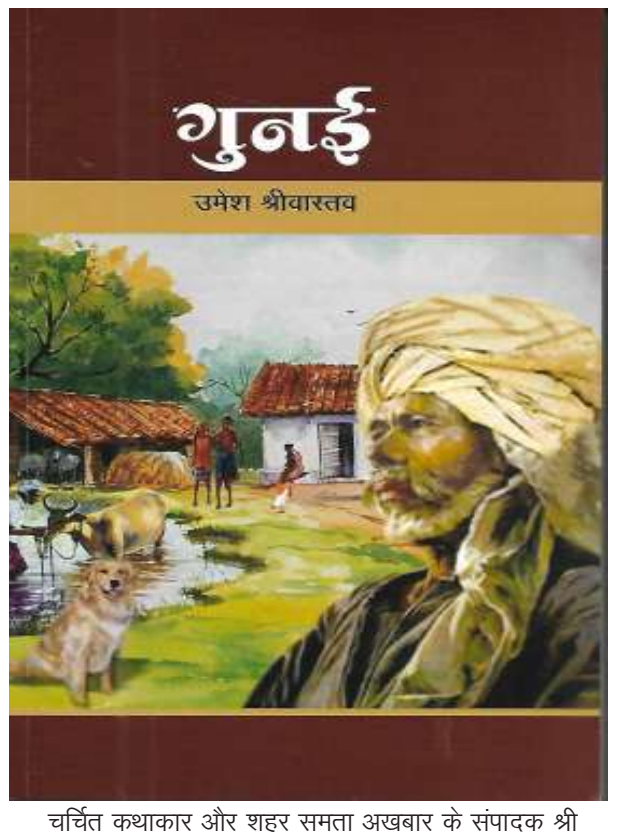

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

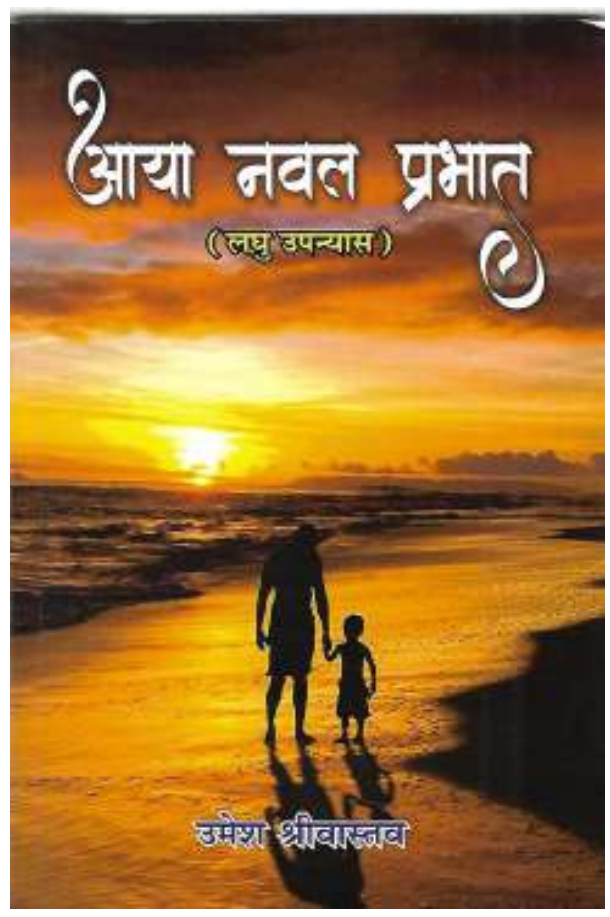

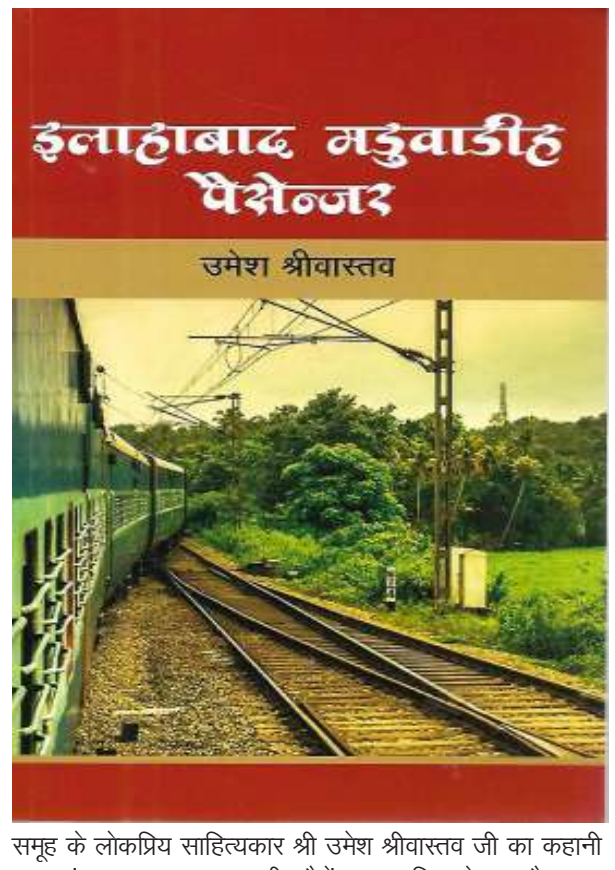

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

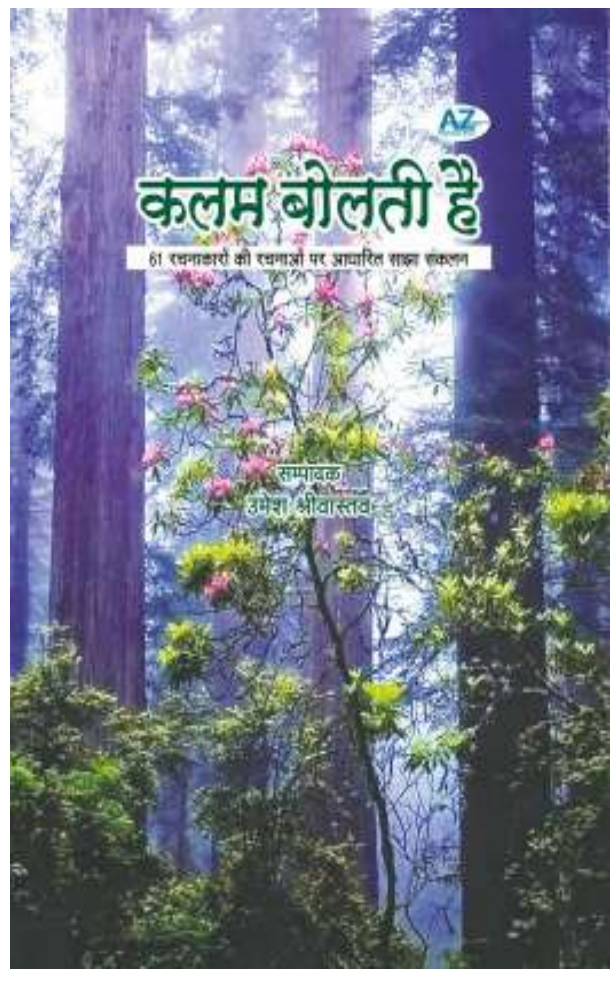

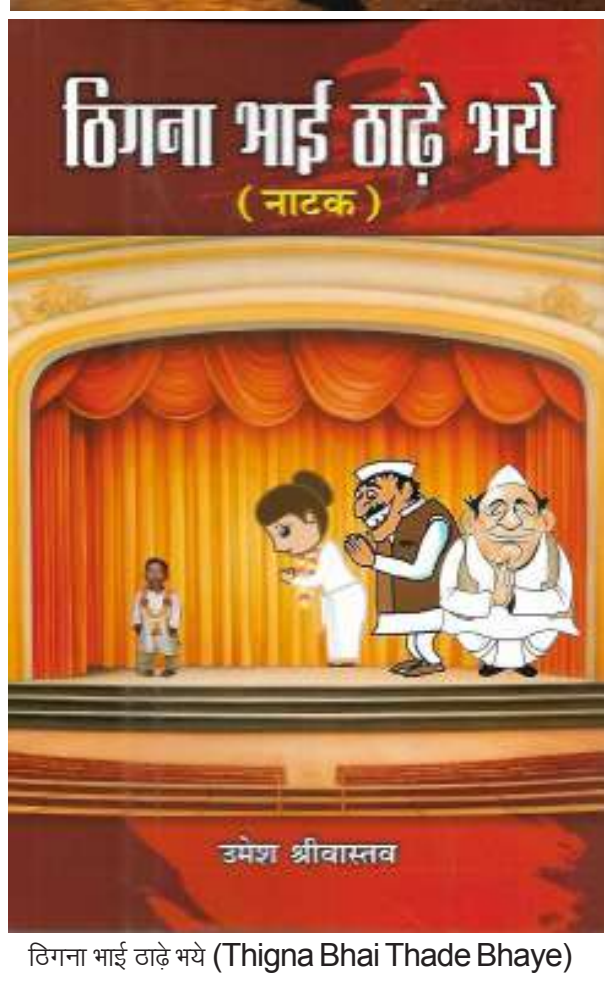

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका में गोलीबारी की वारदातों से दहशत: शिकागो में 3 लोगों की मौत, नॉर्थ कैरोलिना में एक परिवार पर टूटा कहर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में सप्ताहांत में हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और

10 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई। सीबीएस शिकागो की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार सुबह 8रू22 बजे तक शहर में कुल आठ गोलीबारी की घटनाएं हुईं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इन घटनाओं में तीन लोगों की जान चली गई और नौ अन्य घायल हुए। घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई गई है। इसके अलावा, शनिवार सुबह एक 35 वर्षीय व्यक्ति के सिर में गोली लगी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब तक किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं? रिपोर्ट के अनुसार, इन गोलीबारी की घटनाओं में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, 7 अप्रैल तक समाप्त हुए 12 महीनों के दौरान शिकागो में बंदूक हिंसा के 1,878 पीड़ित दर्ज किए गए, जिनमें से 356 लोगों की मौत हो गई। नॉर्थ कैरोलिना में क्या हुआ? इससे पहले, अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के कैसवेल काउंटी में एक ग्रामीण इलाके में स्थित घर में सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने दी। पुलिस को बुधवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) 8 बजे से ठीक पहले घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने कई लोगों को गोली लगने की हालत में पाया। नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि गोली लगने से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि कई अन्य लोगों की मौत हो चुकी थी। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत कैसे हुई?

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कैसवेल काउंटी के शेरिफ टोनी डर्डन ने बताया कि एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हुई, जिनमें कथित हमलावर भी शामिल था। परिवार के एक अन्य सदस्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अमेरिका कई दशकों से बंदूक हिंसा की समस्या से जूझ रहा है और हर साल वहां सैकड़ों सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं दर्ज की जाती हैं। इससे पहले दो अगस्त को अमेरिका के ओरेगन राज्य के पोर्टलैंड शहर के एक मोहल्ले में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और पांच अन्य लोग घायल हो गए थे।

ट्रंप ने बदला कानूनी पहरेदार: कौन हैं विल शार्फ जिन्हें मिली व्हाइट हाउस काउंसल की जिम्मेदारी? किसकी लेंगे जगह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को घोषणा की कि व्हाइट हाउस के मौजूदा स्टाफ सेक्रेटरी विल शार्फ 1 सितंबर से नए व्हाइट हाउस काउंसल और राष्ट्रपति के असिस्टेंट की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह डेविड वॉरिंगटन की जगह लेंगे, जो ट्रंप प्रशासन से विदा लेकर प्राइवेट सेक्टर में जा रहे हैं। शार्फ ने ट्रंप प्रशासन में अपनी मौजूदा भूमिका के अलावा नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन (छब्ब्) के चेयरमैन के तौर पर भी काम किया है। इसी दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस के 400 मिलियन डॉलर के बॉलरूम प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्ट्रुथ सोशलश पर इस नियुक्ति का एलान किया। उन्होंने कहा कि 1 सितंबर से विल शार्फ राष्ट्रपति के असिस्टेंट और व्हाइट हाउस काउंसल का पद संभालेंगे। ट्रंप ने डेविड वॉरिंगटन के काम की भी तारीफ की और कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस काउंसल के तौर पर और उससे पहले उनके राष्ट्रपति अभियान के लिए शानदार काम किया है। ट्रंप ने शार्फ की मौजूदा भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस स्टाफ सेक्रेटरी के तौर पर श्बहुत बढ़िया कामश किया है। उन्होंने शार्फ को व्यक्तिगत रूप से जानने की बात भी कही और उनके कानूनी अनुभव को रेखांकित किया। ट्रंप ने लिखा, श्विल मजबूत, ताकतवर और स्मार्ट हैं। उन्हें हमारे देश से प्यार है और वे कानून का सम्मान करते हैं। विल शार्फ व्हाइट हाउस काउंसल के तौर पर बहुत अच्छा काम करेंगे। ट्रंप के मुताबिक, विल शार्फ पहले कई मामलों में उनका प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इनमें सुप्रीम कोर्ट से जुड़े मामले भी शामिल हैं। ट्रंप ने विशेष रूप से बाइडन प्रशासन के दौरान सरकारी एजेंसियों के कथित भ्रष्टाचार और उनके श्वेपनाइजेशनश यानी सरकारी एजेंसियों के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामलों का उल्लेख किया। शार्फ पहले फेडरल प्रॉसिक्यूटर के तौर पर काम कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने प्राइवेट प्रैक्टिस में अटॉर्नी के रूप में भी काम किया है। वह दो फेडरल अपील्स कोर्ट के जजों के लिए क्लर्क की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, शार्फ ने प्रिंसटन यूनिवर्सिटी से अंडरग्रेजुएट डिग्री हासिल की और हार्वर्ड लॉ स्कूल से कानून की पढ़ाई की। ट्रंप ने दोनों संस्थानों में उनके अकादमिक प्रदर्शन की भी तारीफ की और उन्हें टॉप स्टूडेंट बताया। व्हाइट हाउस काउंसल राष्ट्रपति को उनके पद से जुड़े कानूनी और नीतिगत मामलों में सलाह देता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

विदेशी पैसे पर भारत का 'पहरा': FCRA के समर्थन में अमेरिका में भारत के राजदूत, बताया क्यों जरूरी है नया कानून ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा है कि फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट (FCRA) में किए गए बदलावों का मकसद विदेशी फंडिंग में ज्यादा पारदर्शिता लाना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संगठन तय प्रक्रिया का पालन करते हुए ही विदेशी धन प्राप्त करेंगे। रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्ट के जरिए क्वात्रा ने कहा कि सार्वजनिक और राजनीतिक क्षेत्रों में विदेशी वित्तीय प्रवाह को नियंत्रित करना राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के मद्देनजर उठाया गया एक संप्रभु कदम है। उन्होंने इस संदर्भ में अमेरिका सहित कई देशों में लागू ऐसे ही कानूनों का भी हवाला दिया। अमेरिका में विदेशी फंडिंग को लेकर कौन से कानून लागू हैं? क्वात्रा ने कहा कि अमेरिका में 1938 से FARA (फॉरेन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट) और 2010 से FATCA (फॉरेन अकाउंट टैक्स कंप्लायंस एक्ट) लागू है। ऑस्ट्रेलिया ने 2018 में और कनाडा ने 2024 में कानून बनाया। न्ज्ञ की योजना जुलाई 2025 में लागू हुई। EU अभी कानून बना रहा है। अमेरिकी सांसद की चिंता के बाद क्वात्रा ने क्या कहा? क्वात्रा का एक्स पर यह बयान एक अमेरिकी सांसद द्वारा FCRA में किए गए संशोधनों पर चिंता जताए जाने के कुछ दिनों बाद आया। अमेरिकी सांसद ने दावा किया था कि इन बदलावों से भारतीय सरकार को चर्चों और चौरिटी संस्थाओं पर नियंत्रण करने की अनुमति मिल जाएगी। रजिस्ट्रेशन रद्द होने पर संपत्तियों का क्या होता है? क्वात्रा ने कहा कि जब किसी संगठन का FCRA रजिस्ट्रेशन रद्द या सरेंडर किया जाता है, तो उसके पास मौजूद विदेशी योगदान और उससे बनाई गई संपत्ति पहले से ही राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आ जाती है। उन्होंने कहा कि यह प्रावधान 2010 से लागू है। 2026 के बिल में नया क्या जोड़ा गया है? क्वात्रा ने कहा कि 2026 का बिल जो नई चीज जोड़ता है, वह है उन संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक अधिकृत अथॉरिटी और वापसी का एक रास्ता। अगर संगठन अपना रजिस्ट्रेशन बहाल कर लेता है, तो सभी संपत्तियां और बिना इस्तेमाल किए गए फंड पूरी तरह से वापस कर दिए जाते हैं। पूजा स्थलों की संपत्ति को लेकर क्या व्यवस्था होगी? उन्होंने कहा कि पूजा स्थलों की अपनी सुरक्षा व्यवस्था होती है। जहां किसी रद्द किए गए संगठन ने पूजा स्थल से जुड़ी संपत्ति बनाई है, वहां पूजा की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए वह संपत्ति उसी धर्म के किसी अन्य FCRA–पंजीकृत संगठन को सौंप दी जाती है। क्या नए कानून का मकसद विदेशी सहायता रोकना है? राजदूत ने उन आशंकाओं को भी खारिज किया कि श्ब्द। में किए गए बदलावों का मकसद सिविल सोसाइटी संगठनों को मिलने वाली विदेशी सहायता पर रोक लगाना है। क्वात्रा ने कहा कि हजारों संगठन श्ब्द। के तहत पंजीकृत हैं और नियमित रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा, आपदा राहत, अनुसंधान और मानवीय कार्यों के लिए विदेशी फंड प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में 30 लाख से ज्यादा छळ८ हैं, लेकिन इनमें से बहुत कम, यानी 14,450 संगठनों के पास ही श्ब्द। रजिस्ट्रेशन है। क्वात्रा ने कहा कि इस प्रकार, सिविल सोसाइटी संगठनों का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से इस कानून के दायरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि भारत ने पहली बार 1976 में श्ब्द। लागू किया था और 2010 में इसमें बदलाव करके ज्यादा आधुनिक ढांचा तैयार किया गया। क्वात्रा ने कहा कि 2016, 2018 और 2020 में किए गए बदलावों ने FCRA को और मजबूत किया। 2026 का बिल और नियम इसी दिशा में अगला कदम हैंरू ज्यादा पारदर्शिता, बेहतर गवर्नेंस और साफ नियम। विदेशी फंडिंग को राष्ट्रीय सुरक्षा से क्यों जोड़ा गया? क्वात्रा ने जोर देकर कहा कि सार्वजनिक और राजनीतिक क्षेत्रों में विदेशी पैसे के लेन–देन को रेगुलेट करना राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के कारण उठाया गया एक संप्रभु कदम है। यह दुनिया भर के कई लोकतंत्रों में आधुनिक गवर्नेंस की एक स्वीकृत विशेषता है। क्वात्रा ने उन दावों को भी खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि श्ब्द। में बदलाव किसी खास समुदाय को निशाना बनाने के लिए किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। यह कानून धर्म, समुदाय या विचारधारा की परवाह किए बिना सभी संगठनों पर समान रूप से लागू होता है। हर धर्म के संगठनों द्वारा धार्मिक शिक्षा, पूजा स्थलों के रखरखाव और चैरिटी के कामोंसहित आस्था–आधारित कल्याणकारी गतिविधियां विदेशी फंडिंग पाने के लिए योग्य बनी हुई हैं। □□□□ बिल, 2026 सरकार को एक श्नामित अथॉरिटीश बनाने का अधिकार देता है। यह अथॉरिटी विदेशी योगदान और विदेशी योगदान से बनाई गई संपत्तियों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेगी, जब किसी संगठन का FCRA रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया जाए, सरेंडर कर दिया जाए या रिन्यू न होने के कारण समाप्त हो जाए।

163 दिन से झुलस रहा पश्चिम एशिया, इस्राइल ने ठुकराई ट्रंप की गाजा योजना, होर्मुज में कैसे हालात ?

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका–इस्राइल के बीच शुरू हुआ संघर्ष 163वें दिन में पहुंच गया है, लेकिन हालात सामान्य होने के बजाय और पेचीदा होते जा रहे हैं। गाजा में हमास और इस्राइल के बीच अक्तूबर 2023 से जारी युद्ध भी अब तक पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। इस बीच इस्राइल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा योजना को खारिज कर दिया है। वहीं, होर्मुज खोलने को लेकर ईरान और ओमान के बीच बातचीत अंतिम दौर में पहुंचने का दावा किया जा रहा है। यमन में हूती विद्रोहियों के हमले और ईरान की अमेरिका को जमीन पर सैनिक भेजने के खिलाफ चेतावनी ने तनाव को और बढ़ा दिया है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्रंप की ओर से घोषित गाजा की 15 सूत्री योजना को खारिज कर दिया है। नेतन्याहू ने कैबिनेट की बैठक में साफ कहा कि इस्राइली सेना तब तक गाजा से पीछे नहीं हटेगी, जब तक हमास को वास्तव में पूरी तरह निरस्त्र नहीं किया जाता। ट्रंप की योजना में हमास के निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के साथ इस्राइली सेना की वापसी की बात कही गई थी। नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल दस्तावेज को स्वीकार नहीं करता, हालांकि गाजा को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत जारी है। दूसरी तरफ हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य बासेम नईम ने कहा कि संगठन मध्यस्थों और अमेरिका से नेतन्याहू पर दबाव बनाने की उम्मीद कर रहा है। गाजा में करीब 20 लाख फलस्तीनी रहते हैं और इस्राइली सेना इस इलाके के आधे से अधिक हिस्से पर नियंत्रण रखती है। गाजा में मौजूदा संकट की जड़ 7 अक्तूबर 2023 को हमास के इस्राइल पर हमले से जुड़ी है। इसके बाद इस्राइल ने गाजा में सैन्य अभियान शुरू किया। युद्ध के बीच संघर्षविराम की स्थिति बनी है, लेकिन स्थायी शांति का रास्ता अभी साफ नहीं हुआ है। इस्राइल की सबसे बड़ी शर्त हमास का निरस्त्रीकरण है, जबकि हमास अमेरिकी और मध्यस्थ देशों से इस्राइल पर दबाव बनाने की उम्मीद कर रहा है। ट्रंप की योजना के बावजूद दोनों पक्षों की प्रमुख शर्तों में अंतर बना हुआ है। ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि गाजा में युद्ध को स्थायी रूप से रोकने के लिए ऐसा समझौता कैसे हो, जिसे इस्राइल और हमास दोनों स्वीकार कर सकें। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान और ओमान के बीच अस्थायी समझौते पर बातचीत चल रही है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत जहाज ईरान की तरफ से होर्मुज में प्रवेश कर ओमान की तरफ से बाहर निकल सकते हैं। अंतरिम व्यवस्था में जहाजों से शुल्क या टोल नहीं लेने की बात सामने आई है। हालांकि, ईरान ने साफ किया है कि बातचीत आगे बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि होर्मुज तुरंत पूरी तरह खोल दिया जाएगा। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के अनुसार, समुद्री रास्ते और कानूनी व्यवस्था को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है, लेकिन जलडमरूमध्य खोलने के लिए कुछ दूसरी शर्तें भी पूरी करनी होंगी। ईरान का कहना है कि अमेरिका को युद्ध से हुए नुकसान और समझौते से जुड़े विवादों पर कार्रवाई करनी होगी। ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति ने होर्मुज के प्रबंधन से जुड़ी योजना के सामान्य खाके को मंजूरी दी है। इसके तहत ईरान से कथित तौर पर नुकसान पहुंचाने वाले देशों के जहाजों को तब तक रास्ता नहीं देने की बात कही गई है, जब तक वे नुकसान की भरपाई नहीं करते। ईरानी अर्ध–सरकारी माध्यमों के हवाले से अमेरिका और इस्राइल को ऐसे 'शत्रु देशों' में शामिल बताया गया है। हालांकि, योजना अभी विशेषज्ञों की समीक्षा के दौर में है और इसकी अंतिम शर्तें बदल सकती हैं। ईरान का कहना है कि पहले इस्तेमाल किया जाने वाला समुद्री यातायात मार्ग अब उसे मंजूर नहीं है और नया रास्ता तय करने के लिए तकनीकी और कानूनी स्तर पर काफी काम करना होगा।

ट्रंप ने साझा किया हिलेरी का लेख: गाजा प्लान का समर्थन क्यों कर रहीं पूर्व विदेश मंत्री ? नेतन्याहू ने क्या कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (स्थानीय समय) को अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन का एक लेख साझा किया। यह लेख जून में प्रकाशित हुआ था। इसमें क्लिंटन ने ट्रंप की गाजा शांति योजना का बचाव किया था। उन्होंने कहा था कि गाजा में जारी संकट से निपटने के लिए कोई दूसरा ढांचा मौजूद नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने श्ट्रुथ सोशलश पर फाइनेंशियल टाइम्स में प्रकाशित हिलेरी क्लिंटन के लेख के कुछ अंश साझा किए। इसमें लिखा था– दुनिया को ट्रंप की गाजा योजना पसंद नहीं आ सकती, लेकिन इसका कोई विकल्प नहीं है। अगर मैं भी , जो राष्ट्रपति की सख्त विरोधी रही हूं, इसे सबसे बेहतर विकल्प के तौर पर स्वीकार कर सकती हूं, तो निश्चित रूप से दूसरे लोग भी ऐसा कर सकते हैं। क्लिंटन का यह लेख जून में प्रकाशित हुआ था। यह ट्रंप के उन दावों से पहले आया था, जिनमें उन्होंने एक समझौते के अंतिम रूप लेने की बात कही थी। ट्रंप ने सितंबर 2025 में अपनी 20 सूत्री शांति योजना जारी की थी, जबकि 15 सूत्री गाजा शांति योजना इस साल जुलाई में पेश की गई थी। हिलेरी क्लिंटन ने क्या कहा था? क्लिंटन ने कहा था कि गाजा शांति योजना को लेकर चिंताओं के बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इसके साथ आगे बढ़ना चाहिए। उनके मुताबिक, यह एकमात्र उपलब्ध ढांचा (फ्रेमवर्क) है, जिसमें संबंधित पक्षों को योजना लागू करने की दिशा में आगे बढ़ाने की क्षमता है। क्लिंटन ने लिखा था– पर्दे के पीछे कोई दूसरा ढांचा तैयार नहीं है। कोई दूसरा गठबंधन चुपचाप इससे बेहतर प्रस्ताव तैयार नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि 20 सूत्री योजना ही ऐसा एकमात्र ढांचा है, जिसे पर्याप्त प्रभाव, राजनीतिक भागीदारी और संभावित संसाधनों का समर्थन हासिल है। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि गाजा में हमास और दूसरे सशस्त्र समूहों को श्पूरी तरह से निरस्त्रश करने और इस प्रक्रिया के आगे बढ़ने के साथ इस्राइली सैन्य बलों की चरणबद्ध वापसी को लेकर एक समझौता हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 31 जुलाई के घटनाक्रम को शांति और सुरक्षा की दिशा में एक श्ऐतिहासिकश कदम बताया था। उन्होंने कहा था कि यह समझौता कई चरणों में लागू किया जाएगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा था– यह समझौता सावधानी से तय किए गए चरणों में लागू किया जाएगा। जैसे–जैसे निरस्त्रीकरण पूरा होगा, इस्राइली सेना पीछे हटेगी और अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल एक नई फलस्तीनी पुलिस के साथ मिलकर गाजा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगा, ताकि वहां के निवासियों और उसके पड़ोसियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने आगे कहा, यह समझौता गाजा के लिए उनकी 20 सूत्री योजना को लागू करने की दिशा में एक बड़ा पड़ाव है। उन्होंने कहा कि अंत में इस क्षेत्र का प्रशासन एक श्नई फलस्तीनी सरकारश करेगी, जो फलस्तीनी लोगों की मदद के लिए बने शांति बोर्ड के साथ मिलकर काम करेगी। हालांकि, रविवार को इस्राइल ने ट्रंप की 15 सूत्री गाजा शांति योजना को खारिज कर दिया। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि जब तक हमास को श्वास्तव मेंश निरस्त्र नहीं किया जाता, तब तक इस्राइल गाजा से अपनी सेना नहीं हटाएगा। इस्राइली मीडिया के मुताबिक, नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल 15 सूत्री दस्तावेज को खारिज करता है। वह जुलाई के आखिर में हमास के समर्थन वाले प्रस्ताव की बात कर रहे थे। कैबिनेट की बैठक में नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि इस्राइली सेना तब तक कोई वापसी नहीं करेगी, जब तक हमास को वास्तव में निरस्त्र नहीं किया जाता। शांति योजना को छोड़ने के लिए फिर से कैबिनेट में वोट कराने की मांग कर रहे दक्षिणपंथी गठबंधन के सहयोगी नेतन्याहू पर दबाव बना रहे हैं। इसी बीच, नेतन्याहू ने कहा कि इस मुद्दे पर इस्राइल की वाशिंगटन के साथ बातचीत जारी है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, नेतन्याहू फिलहाल कड़े चुनावी मुकाबले में हैं। नेतन्याहू ने कहा, उनके पास कुछ विचार हैं। उनमें से कुछ हमें स्वीकार्य हैं और कुछ नहीं हैं। हम जानते हैं कि इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पर मजबूती से कैसे कायम रहना है। ट्रंप की 15 सूत्री योजना में गाजा संघर्ष को खत्म करने, सशस्त्र गुटों को निरस्त्र करने, इस्राइली सैनिकों को वापस बुलाने और गाजा के प्रशासन को एक फलस्तीनी तकनीकी निकाय को सौंपने की चरणबद्ध रणनीति बताई गई है।

अमेरिकी हमले में मिनाब के स्कूल में मारे गए थे 120 बच्चे, शिक्षिका का दर्द छलका

तेहरान/मिनाब, एजेंसी। आप अब इसे स्कूल नहीं कह सकते। यहां अब सिर्फ ऐसी दीवारें हैं, जहां मौत का सन्नाटा गूंजता है और खून की गंध आती है। यह बात ईरान के दक्षिणी

शहर मिनाब में करीब पांच माह पहले अमेरिकी हमले में तबाह हुए स्कूल की शिक्षिका अमाइनेह नदीमी ने कही। उस दिन की घटना बयां करते समय उनके चेहरे पर पीड़ा साफ झलकती है। अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच जंग के पहले दिन शजरेह तय्यबेह प्राथमिक स्कूल अमेरिकी टोमाहाक मिसाइल का निशाना बना था। तबाही के निशान आज भी ताजा हैं, स्कूल की जगह मलबे का ढेर नजर आता है।

इस हमले में 120 बच्चों समेत 156 बेकसूर लोग मारे गए थे। इस घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। द गार्जियन ने अपनी एक विशेष रिपोर्ट ने जंग के बाद बदले ईरान के हालात के बारे में बताया। मिनाब में तबाही के इस मंजर के बीच जब राहत कर्मी मलबे को हटा रहे थे, तो उन्हें कंक्रीट के टुकड़ों के बीच आठ साल की माह्या सलारी की एक कॉपी मिली, जिसके पन्ने अभी भी सुरक्षित थे। माह्या अपने छोटे भाई अली के साथ स्कूल में थी और हमले से ठीक पहले उनकी मां उन्हें लेने आई थीं।

इस हमले में तीनों की मौत हो गई थी। शहर की दीवारों और दुकानों पर अब मृत बच्चों की बड़ी–बड़ी तस्वीरें लगी हैं, जो नागरिकों की पीड़ा का प्रतीक बन चुकी हैं। मुझे लगा सब निकल गए...पर वो तो मलबे में दफन हो गए थे अमाइनेह नदीमी इस स्कूल में छह साल तक पहली कक्षा के बच्चों को पढ़ाया करती थीं।

अमाइनेह ने बताया कि हमले के बाद उन्होंने अपने माता–पिता को नंगे पांव इमारत की तरफ दौड़ते देखा। वह बताती हैं, एकबारगी तो मुझे यही लगा कि हर कोई बाहर निकल गया है। लेकिन बाद में समझ आया कि वे सब मलबे के नीचे थे। बच्चों की छोटी–छोटी कब्रें देती हैं दर्द मिनाब के कब्रिस्तान का नजारा भावुक कर देने वाला है। हमले में मारे गए बच्चों की छोटी–छोटी कब्रों की पंक्तियों के बीच से गुजरते लोगों के चेहरे पर जंग का दर्द उभर आता है। मासूमेह मेहरान शेखबादी लगभग हर दिन यहां आती हैं। उनकी नौ साल की बेटी, सतायेश, इस हमले में मारी गई थी। वह कहती हैं, जब मैं पहुंची तो वहां केवल धुआं और बच्चों के बुरी तरह जले होने के कारण एक अजीब–सी गंध आ रही थी। मैंने मैंने एक हाथ देखा। थोड़ी दूर एक पैर देखा। मासूम बच्चों के चीथड़े उड़ गए थे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।